इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

" यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति" ।।

दावा

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

शुक्ला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
किडनी एवं मूत्र विशेषज्ञ
डॉ. तरूण ध्रुव
MBBS, FID, CCIDS, FIN
CONSULTING PHYSICIAN
IN NEPHROLOGY
डायलिसिस व सभी प्रकार के पथरी का इलाज उपलब्ध
प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार
समय: सुबह 9:30 से 11:30
बसंतपुर, राजनांदगांव (छ.ग.)
Mo. 9301033013, 9752899208

वर्ष- 44 अंक - 205 राजनांदगांव, शुक्रवार 13 जून 2025 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

अहमदाबाद प्लेन क्रैशः 241 यात्रियों की मौत

पूर्व सीएम विजय रुपाणी का निधन; भारत के 169, ब्रिटेन के 53 लोग थे सवार

अहमदाबाद। अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर हुए भीषण विमान हादसे में जहां एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर की दुर्घटना ने पूरे देश को हिला कर रख दिया, वहीं इस हादसे में चमत्कारिक रूप से एक के जिंदा बचने की खबर है।

विमान में कुल 242 लोग सवार थे, जिनमें 12 क्रू मेंबर्स भी शामिल थे। शुरुआती रिपोर्ट्स में सभी यात्रियों की मौत की खबर आई थी, लेकिन अब भारतीय मूल के एक ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार के सुरक्षित मिलने की पुष्टि हुई है, जो सीट नंबर 11-A पर बैठे थे। उनका एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें वे हादसे के बाद बाहर आते दिख रहे हैं। एक अन्य घायल यात्री को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। यह राहत की खबर ऐसे समय में आई है जब इस हादसे ने दुनिया भर को हिला के रख दिया है। इस दर्दनाक दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। राहत एवं बचाव दल को मौके पर पहुंचे कई घंटे हो गए, लेकिन अधिकांश शव इस कदर झुलस चुके हैं कि पहचान संभव नहीं हो पा रही है। प्रशासन ने साफ किया है कि अंतिम पुष्टि केवल डीएनए टेस्ट के जरिए ही की जाएगी।

तकनीकी खराबी की वजह से हादसा

शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान के इंजन में तकनीकी खराबी के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि इस बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। एयर इंडिया ने अहमदाबाद हादसे में प्रभावित यात्रियों के परिजनों और अपने कर्मचारियों के लिए दिल्ली और मुंबई से दो विशेष राहत उड़ानों की व्यवस्था की है। दिल्ली और मुंबई में रह रहे परिजन 1800 5691 444 हॉटलाइन पर कॉल कर यात्रा की जानकारी ले सकते हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से आने वाले लोग +91 8062779200 पर संपर्क कर सकते हैं। एयर इंडिया ने यह जानकारी अपने आधिकारिक ट्वीट के जरिए दी।

अमित शाह विमान दुर्घटना स्थल पर पहुंचे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अहमदाबाद विमान दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल और गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी भी उनके साथ थे।

टाटा ग्रुप ने किया प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को एक करोड़ के मुआवजे का ऐलान

टाटा ग्रुप ने विमान हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा, टाटा समूह इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपए की सहायता राशि देगा। हम घायलों के चिकित्सा व्यय को भी वहन करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें सभी आवश्यक देखभाल और सहायता मिले। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

हृदयविदारक विमान हादसे में एक व्यक्ति जिंदा बचा

हादसे में पूर्व सीएम विजय रुपाणी का निधन, परिवार से मिलने जा रहे थे लंदन

अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन गुरुवार को क्रैश हुआ। इस विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी का निधन हो गया। विमान में सवार सभी 204 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, वो अपने परिवार से मिलने लंदन जा रहे थे। इस विमान में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी के अलावा कार्गो मोटर्स के मुखिया प्रमुख नंदा और लुबी के निदेशक सुभाष अमीन भी मौजूद थे। वो पैसेंजर लिस्ट में पैसेंजर नंबर 12 थे। विजय रूपाणी के करीबी नितिन भारद्वाज ने बताया कि रूपाणी लंदन अपनी बेटी से मिलने जा रहे थे। उनकी बेटी लंदन में रहती हैं। विजय रुपाणी उन 242 लोगों में शामिल थे, जो अहमदाबाद से लंदन जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, वो अपने बेटे से मिलने लंदन जा रहे थे। विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई, सात पुर्तगाली सवार थे। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। विमान टेकऑफ के महज कुछ मिनट बाद अनियंत्रित होकर बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की बिल्डिंग से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हॉस्टल की दीवार चीरकर आर-पार हो गया।

पूरा देश प्रभावित परिवारों के साथः राष्ट्रपति मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी घटना पर दुख जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे के बारे में जानकर मैं बहुत व्यथित हूं। यह एक हृदय विदारक आपदा है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। इस दुख की घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

यह घटना शब्दों से परे है- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

मोदी ने एक्स पर लिखा, अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहलाने वाली घटना है। दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं, जो सहायता के लिए काम कर रहे हैं।

आपदा प्रतिक्रिया बलों को तुरंत घटना स्थल पर भेजा गया है-शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर कहा, आपदा प्रतिक्रिया बलों को तुरंत दुर्घटना स्थल पर भेज दिया गया है। स्थिति का आकलन करने के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गृह मंत्री हर्ष संघवी और अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त से बात की।

व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहा हूं- विमानन मंत्री

विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने एक्स पर कहा, अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बारे में जानकर स्तब्ध हूं। हम हाई अलर्ट पर हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहा हूं और सभी विमानन और आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों को त्वरित और समन्वित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

विमान दुर्घटना के दृश्य विनाशकारी, कई ब्रिटिश नागरिक थे सवार- स्टार्मर

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक्स पर कहा, लंदन जाने वाले विमान के भारतीय शहर अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त होने के दृश्य विनाशकारी हैं। इस विमान में कई ब्रिटिश नागरिक सवार थे। इस अत्यंत दुखद समय में मेरी संवेदनाएं यात्रियों और उनके परिवारों के साथ हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर करें हरसंभव मदद- राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान की दुर्घटना दिल दहला देने वाली है। यात्रियों और चालक दल के परिवारों को जो दर्द और चिंता हो रही होगी, उसकी कल्पना नहीं की जा सकती। इस कठिन क्षण में मेरी संवेदनाएं उनमें से प्रत्येक के परिवार के साथ हैं।

एयर इंडिया का विमान बीजे मेडिकल कॉलेज के छात्रावास पर गिरने से 5 छात्रों की मौत

गुजरात के अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाला एयर इंडिया का एआई171 विमान बीजे मेडिकल कॉलेज के छात्रावास पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिससे 5 मेडिकल छात्रों की जान चली गई। विमान ने दोपहर को 1.38 बजे सरदार वल्लभ भाई पटेल हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और कुछ मिनट बाद छात्रावास से टकरा गया। हादसे में 27 छात्र घायल हैं। हादसे के समय छात्रावास में छात्र दोपहर का खाना खाने जुटे थे। मृतकों में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र शामिल हैं। हादसे के बाद सोशल मीडिया पर छात्रावास की कुछ तस्वीरें और वीडियो सामने आई है, जिसमें काफी बर्बादी दिख रही है। मेस में मेज पर खाने की प्लेट और गिलास पड़े दिख रहे हैं। फाईमा डॉक्टर्स एसोसिएशन ने एक्स पर लिखा कि विमान बीजे मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है, जिसमें कई छात्र घायल भी हुए हैं। संगठन ने किसी भी प्रकार की मदद के लिए तैयार रहने को कहा है।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री और सांसदों ने व्यक्त की संवेदनाएं

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री डेविड लैमी ने कहा, अहमदाबाद में हुए इस भीषण विमान हादसे की खबर से बेहद दुखी हूं। सभी प्रभावित लोगों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। यूके सरकार भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर जानकारी जुटा रही है और सहायता कर रही है। ब्रिटिश कंज़र्वेटिव पार्टी की सांसद प्रीति पटेल ने यूके सरकार से अपील की कि वह भारत सरकार के साथ मिलकर ब्रिटिश परिवारों को मदद पहुंचाए। उन्होंने कहा, यह हादसा उन परिवारों के लिए अत्यंत चिंता का विषय है, जिनके प्रियजन विमान में सवार थे। सरकार को तुरंत कदम उठाने चाहिए।

यूक्रेन और रूस ने भी जताया शोक

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा, भारत में हुए विमान हादसे की खबर भयावह है। प्रधानमंत्री मोदी और भारत की जनता के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। हम भारत, यूके, पुर्तगाल और कनाडा के पीड़ितों के साथ हैं। रूस के भारत में राजदूत डेनिस अलीपोव ने हादसे को भीषण त्रासदी बताया। उन्होंने कहा, अहमदाबाद से दिल दहला देने वाली खबर आई है। पीड़ितों के परिवारों, भारत की जनता और सरकार के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।

204 शव मिले, घायल हॉस्पिटल में भर्ती, पुलिस कमिश्नर ने की पुष्टि, मृतकों के रिश्तेदारों का लिया जाएगा डीएनए सैंपल

गुजरात के अहमदाबाद में एअर इंडिया के विमान AI-171 के क्रैश होने के बाद अब इस घटना में 204 लोगों के मौत की पुष्टि हुई है. एअर इंडिया हादसे पर जानकारी देते हुए अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर ने बताया कि अब तक 204 शव मिले हैं जबकि 41 घायलों का इलाज चल रहा है. बता दें कि उस विमान में कुल 242 यात्री सवार थे. अब हताहत हुए यात्रियों की पहचान करने के लिए अहमदाबाद सिविल अस्पताल में यात्रियों के परिजनों के डीएनए सैंपल लेने की व्यवस्था की गई है. अहमदाबाद सिविल अस्पताल प्रशासन ने विमान हादसे में मारे गए यात्रियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए उनके परिजनों से डीएनए सैंपल लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव धनंजय द्विवेदी ने बताया कि पीड़ितों की पहचान के लिए बी.जे. मेडिकल कॉलेज के कसोटी भवन में यह विशेष व्यवस्था की गई है. उन्होंने कहा, यहां मृतकों के निकटतम परिजन, जैसे माता-पिता या बच्चे, डीएनए सैंपल दे सकेंगे. यह टेस्ट हॉल बी.जे. मेडिकल कॉलेज के ग्राउंड फ्लोर पर होगा. अस्पताल प्रशासन ने सभी प्रभावित परिवारों और उनके करीबी मित्रों से डीएनए सैंपलिंग में सहयोग करने की अपील की है ताकि शवों की पहचान जल्दी और सटीक ढंग से की जा सके. वहीं दूसरी तरफ इस हादसे में घायल हुए 50 मरीजों का इलाज अहमदाबाद सिविल अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में जारी है, और अधिकारियों के अनुसार सभी की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है. आपातकालीन जानकारी (शेष पृष्ठ 6 पर...)

प्रदेश के घर-घर को सहकारिता से जोड़ने का कर रहे कामः सीएम विष्णु देव

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार किया जा रहा है। उनकी प्रेरणा से प्रदेश के घर-घर को सहकारिता से जोड़ने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। साय ने कहा कि नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारिता को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मिलकर प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाल ही में हमने दुधारू पशु वितरण का शुभारंभ किया है, जिसके अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट के लिए प्रदेश के 6 जिलों का चयन कर हितग्राहियों को दो-दो दुधारू गाय वितरित की जा रही हैं।

सीएम राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुए और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जशपुर जिले के फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नई शाखा का वर्चुअल शुभारंभ किया और क्षेत्रवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश के किसानों और ग्रामीण जनों को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध (शेष पृष्ठ 6 पर...)

सीएम साय व विस अध्यक्ष डॉ.रमन ने गुजरात विमान हादसे पर जताया शोक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने गुजरात के अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना को अत्यंत हृदयविदारक और दुखद घटना बताया है। उन्होंने इस भीषण दुर्घटना में मृत यात्रियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री साय ने दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुए उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल और शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि अहमदाबाद से लंदन जा रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है।इस हृदयविदारक घटना में हताहत हुए लोगों के परिजनों को ईश्वर यह अपार दुःख सहने की शक्ति दें। मैं प्रभु श्रीराम से प्रार्थना करता हूँ कि सभी घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि गुजरात के अहमदाबाद में हुई भीषण विमान दुर्घटना का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मन विचलित है, इस हादसे से स्तब्ध हूं। परम् पिता परमेश्वर से प्रार्थना है रक्षा करें। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे का समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

अब कर्मचारियों की कुंडली मोबाइल एप पर; सेवानिवृत्ति, पदोन्नति और वेतन विसंगति में नहीं होगी परेशानी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन ई-गवर्नेंस के माध्यम से सुशासन को सशक्त और सहज बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। प्रदेश सरकार ने अब कर्मचारियों की सेवा जानकारी को मोबाइल एप के माध्यम से अद्यतन करने की अभिनव पहल की है।

प्रदेश के लगभग 4 लाख सरकारी कर्मचारियों की सीआर के लिए अब फाइलें पलटने का झंझट समाप्त हो गया है। कर्मचारियों की प्रोफाइल अब एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप पर अद्यतन (अपडेट) की जाएगी। इससे सेवानिवृत्ति, पदोन्नति, वेतन विसंगति आदि के समय किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। नई व्यवस्था के अनुसार अब कर्मचारियों की प्रोफाइल को कार्मिक संपदा पोर्टल पर लोड और अपडेट करना अनिवार्य होगा। इसके लिए एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप और वेब पोर्टल विकसित किए गए हैं। संचालनालय कोष एवं लेखा की इस नई व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। कर्मचारियों की सेवा संबंधी ÷कुंडली÷ को अद्यतन रखने में यह व्यवस्था अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। हालांकि 2019 से कार्मिक संपदा मॉड्यूल का उपयोग किया जा रहा है, किंतु यह नवीन डिजिटल प्लेटफॉर्म कर्मचारियों को उनकी व्यक्तिगत एवं सेवा संबंधी जानकारी त्वरित व सुविधाजनक रूप से उपलब्ध कराएगा।

संचालक कोष एवं लेखा रितेश अग्रवाल ने कहा कि यह पाया गया है कि कार्मिक संपदा पोर्टल पर अधिकांश कर्मचारी अपनी जानकारी अपडेट नहीं करते हैं, जिसके कारण सेवानिवृत्ति के समय उन्हें अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कार्मिक संपदा मॉड्यूल में व्यक्तिगत जानकारी अपडेट करने की जिम्मेदारी कार्यालय प्रमुख की होती है, लेकिन इसमें समय लगने (शेष पृष्ठ 6 पर...)

वार्ड नं. 45 में जीवन कालोनी तथा अटल आवास के पास सामुदायिक भवन बनाने महापौर ने किया भूमिपूजन

आंगनबाड़ी में नवजात शिशुओं का हुआ अन्नप्राशन एवं गर्भवती महिलाओं को सुपोषण कीट वितरण

राजनांदगांव (दावा)। नगर विकास की कडी में नगर निगम द्वारा मूलभूत सुविधा रोड नाली के अलावा सामुदायिक भवन, उद्यान, मुक्तिधाम उन्नयन, तालाब सौदर्यीकरण कार्य कराया जा रहा है। इसी कड़ी में आज महापौर मधुसूदन यादव ने वार्ड नं. 45 के जीवन कालोनी तथा अटल आवास 150 क्वाटर के पास अधोसंरचना पर्यावरण उपकर निधि अंतर्गत 10-10 लाख रूपये की लागत के सामुदायिक भवन निर्माण के लिए दोनो स्थानों में अलग-अलग आयोजित कार्यक्रम में भूमिपूजन पूजा अर्चना कर श्रीफल फोड़ कर किया।

इस अवसर पर महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य आलोक श्रोती, श्रीमती वर्षा सिन्हा, श्रीमती केवरा राय, डिलेश्वर साहू, वार्ड पार्षद दुरेन्द्र साहू, पार्षद श्रीमती श्रुति लोकेश जैन, रवि सिन्हा, श्रीमती अमृता सिन्हा, सतीश साहू, सेवक उईके, शेखर यादव, शेखर लश्करे, श्रीमती खेमीन राजेश यादव, पूर्व पार्षद अतुल रायजादा, शरद सिन्हा, विजय राय, पार्षद प्रतिनिधि पंकज कुंजरेकर, सामाजिक कार्यकर्ता सुमित भाटिया, श्रीमती आरती पवार, लाल मुनाई विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में महापौर सहित अतिथियों ने आंगनबाडी में गर्भवति महिलाओं को सुपोषण कीट का वितरण कर नवजात शिशुओं का अन्नप्रासन कराया।

कार्यक्रम में महापौर श्री यादव ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं सांसद संतोष पाण्डे की अनुशंसा पर शासन द्वारा मूलभूत सुविधा रोड नाली निर्माण सहित राज्य प्रवर्तित योजनांतर्गत सामुदायिक भवन, मुक्तिधाम उन्नयन, तालाब सौदर्यीकरण, उद्यान निर्माण कार्यो के लिये राशि उपलब्ध कराये है जिससे सभी वार्डो में विकास कार्य कराये जा रहे है, इसी कडी में आज वार्ड नं. 45 के 150 क्वाटर अटल आवास के पास एवं जीवन कालोनी में सामुदायिक भवन निर्माण कराने भूमिपूजन किया जा रहा है। सामुदायिक भवन बन जाने से क्षेत्रवासियों को विभिन्न आयोजनों के लिये एक अच्छा स्थान मिल जायेगा। उक्त कार्य अतिशीघ्र प्रारंभ कराया जायेगा, साथ ही वार्डवासियों की अन्य मांगों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाएगा।

महापौर श्री यादव ने कहा कि आज आंगनबाडी में गर्भवती महिलाओं को सुपोषण कीट का वितरण कर नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन कराया गया। यह कार्य शासन पहल से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाडीयों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव सांय हर वर्ग के लोगों का ध्यान रख उन्हें छोटी से छोटी योजना का लाभ दे रहे है। उनका उद्देश्य प्रदेश के हर वर्ग के लोगों को शासन की योजना का लाभ देना है।

कार्यक्रम के प्रांरभ में जीवन कालोनी में प्रमोद साहू, हर्ष लता देशमुख, प्रियंका तिवारी, निशा बघेल, अकिता श्रीवास, सुनीता खडगे, अर्चना देशमुख, एस.के. सिंह, अरूण राव जीवन चतुर्वेदी, खेम साहू, धालेश वैष्णव ने एवं अटल आवास 150 क्वाटर में कांति मौर्य, दुर्गा सिन्हा, लक्ष्मी गोस्वामी, माया मेश्रा, राजू गुप्ता, नरेश, विक्की, आदि ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। इस अवसर पर उप अभियंता अनुप पाण्डे सहित वार्डवासी उपस्थित थे।

पीडब्ल्यूडी विभाग को जगाने किया धरना प्रदर्शन

राजनांदगांव (दावा)। कोपेडीह, आलीखुंटा, आरगांव, बोदेला रोड जर्जर की स्थिति में है। जिसकी मरम्मत के लिए चार गांव के सैकड़ों लोगों ने कोपेडीह नेशनल हाईवे के पास चक्काजाम कर दिया है। जिससे दोनों तरफ वाह्नों की लंबी कतार लग गई। यह आंदोलन कोपेडीह, आलीखुंटा, आरगांव और बोदेला रोड जर्जर होने के चलते किया गया है। इस साल के बजट में रोड डामरीकरण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति नहीं होने से लोग लोक निर्माण विभाग सहित सरकार पर गुस्सा उतार रहे हैं।

कोपेडीह, आलीखुंटा, आरगांव, बोदेला रोड जर्जर की हालत में

ज्ञात हो कि नेशनल हाईवे एनएच 6 (रायपुर से नागपुर) से लगा हुआ ग्राम कोपेडीह, आलीखुंटा, आरगांव, बोदेला पहुंच मार्ग 5 किमी जो काफी जर्जर हो गया है। वर्ष 2023-24 के बजट में शामिल होने के बाद भी रोड को नहीं बनाया गया है। ग्रामवासियों को और स्कूली बच्चों को आवागमन करने में बहुत परेशानी होती है। मजबुतीकरन एवं डामरीकरन करने के लिए विगत 10 वर्षों से ग्रामवासियों के द्वारा मांग किया जा रहा है।

आंदोलन के सभा को संबोधित करते हुए जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष मदन साहू ने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार 'थोथा चना बाजे घना' की तर्ज पर काम कर रही है। एक ओर विकसित भारत का सपना दिखाती है और दूसरी ओर बुनियादी समस्याएं हल नहीं कर पाती है, यह कैसी सरकार है। इसे तो शराब से तिजोरिया भरने की सूझी हुई है। जनता के दुख-दर्द से कोई लेनादेना नहीं है। पूरी गर्मी भर ग्रामीण और नागरिकों को पीने की पानी की समस्या से जूझना पड़ा और बिजली के लिए जूझना पड़ा। जिस सड़क के डामरीकरण के लिए हम आंदोलन कर रहे हैं। गर्मी भर धूल खानी पड़ी और अब बरसात में हमें कीचड़ से लथपथ होना पड़ेगा। जल्द इस जर्जर सड़क में गंभीर दुर्घटना होने का खतरा बना हुआ है। शासन-प्रशासन को जरा भी चिंता नहीं है।

श्री साहू ने चेतावनी देते हुए कहा कि एक सप्ताह के भीतर इस सड़क के डामरीकरण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति नहीं मिलती है तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान पीडब्ल्यूडी विभाग का पुतला दहन भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य महेंद्र यादव, लीकेश गंधर्व सरपंच ग्राम पंचायत आरगांव, बीरसिंग चंद्रवंशी सरपंच ग्राम पंचायत कोपेडीह, सरपंच ग्राम पंचायत बोदेला, सरपंच ग्राम पंचायत तुमड़ीबोरड़, श्रीमती सरिता साहू सदस्य जनपद पंचायत डोंगरगांव, मदन साहू पूर्व उपाध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगांव, श्रीमती क्रांति बंजारे पूर्व जिला पंचायत सदस्य, मनोज साहू पूर्व सरपंच आरगांव, गौतम वर्मा, इंद्रसेन साहू बोदेला, बीशेश्वर साहू, भोलाराम साहू, नैनेश्वर पटेल, श्रीमती गुलबिया, श्रीमती निर्मला कौशिक, श्रीमती अमृत चंद्रवंशी, श्रीमती कुमारी निषाद, श्रीमती सीमा निषाद, पेवाराम साहू, खेमलाल चंद्रवंशी, धनसिंग चंद्रवंशी, नरेश कुमार आदि बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

पहला कॉलम...

सनातन सेवा संघ द्वारा सामान्य ज्ञान एवं गुड टच-बेड टच का आयोजन

राजनंदगांव (दावा)। आदि श्री सनातन सेवा संघ द्वारा 12 जून को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता एवं कन्याओं के सुरक्षा की दृष्टि से गुड टच-बैड टच संस्था के मातृ शक्तियों ने जानकारी दी। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष नेमचंद साहू, उपाध्यक्ष गंगोत्री यादव, सचिव स्वाति सेंद्रे, सहसचिव प्रवेश, कोषाध्यक्ष स्वाति रगड़े एवं सदस्यगण रुक्मणी राव, कोनाली नंदनवार, योगेश चौहान, सोनिया रजक, पदमजा रजक, योगेश यादव एवं संयोजक राजेश रजक आदि उपस्थित रहे।

दीपा लव रामटेके को मिली समाजशास्त्र में मास्टर डिग्री

राजनांदगांव (दावा)। दीपा लव रामटेके अधिवक्ता छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट एवं जीएसटी सलाहकार ने 46 वर्ष की आयु में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र में उच्च अंकों के साथ मास्टर डिग्री हासिल की। उनके इस उपलब्धि पर पति लवकुमार रामटेके सहित सास श्रीमती शांताबाई रामटेके, मॉ श्यामा वाल्दे, पिता एल आर वाल्दे, भाई भावेश वाल्दे, बहन यीशु, मेघा, दामाद प्रजेश सहारे, देवर मासूम बोम्बर्डे सहित ईष्ट मित्रों ने बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

ऑनलाईन पंजीयन 15 तक

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय कन्या पॉलीटेक्निक राजनांदगांव में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश की प्रथम मैनेजमेंट (एमओएम), कस्ट्यूम डिजाइन एंड ड्रेस मेकिंग (सीडीडीएम) तथा इलेक्ट्रनिक्स एवं टेली कम्यूनिकेशन (ईटी.एण्ड.टी.) ब्रांच जैसी रोजगारोन्मुखी उवर्षीय पाठ्यकम संचालित है। इच्छुक अभ्यर्थी 11 से 15 जून के मध्य ऑनलाईन पंजीयन करा सकते है। पंजीयन आबंटित सीटों के आधार पर किया जाएगा। प्रथम चरण में 21 से 24 जून तक प्रवेश प्रकिया संपन्न होगी। प्रवेश प्रकिया आसार एवं सुगम बनाने के लिए संस्था परिसर में सुविधा केन्द्र की स्थापना की गई है। जहां छात्रों को पंजीयन में किसी प्रकार की कठिनाई होने पर सहायता प्रदान की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए http:cgdte.admission.nic.in में जाए।

अवैध शराब विक्रय करने वाली महिला गिरफ्तार

आरोपिया के पास से 18 पाव देशी शराब और बिक्री रकम जप्त

राजनांदगांव (दावा)। चिचोला पुलिस चौकी क्षेत्र में एक महिला अवैध शराब बेचते हुए पकड़ी गई। पुलिस ने उसके पास से 18 पौवा देशी शराब व बिक्री की रकम 400 रुपए जब्त की।

चिचोला चौकी प्रभारी कृष्णा पाटले ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग व अति. पुलिस अधीक्षक राहूल देव शर्मा व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी आशीष कुंजाम के दिशा-निर्देशन पर जिले में चलाये जा रहे अवैध शराब की बिक्री रोकने की मुहीम पर चिचोला पुलिस चौकी द्वारा उनके स्वयं के नेतृत्व में चौकी स्टाफ सहित बुधवार 11 जून को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम मुंगलानी रोड साहू किराना स्टोर के पास लालबहादूर नगर में एक महिला अपने हाथ में एक प्लास्टिक की थैला में अवैध रूप से शराब रखी है। जो अवैध रूप से धन अर्जित करने हेतु अवैध शराब बिक्री कर रही है। उक्त सूचना पर हमराह स्टाप एवं गवाहन के मौके पर रेड कार्यवाही किए जाने पर वहां एक महिला लाल नीले रंग का थैला पकड़े खड़ी थी जिससे नाम पता पूछे जाने पर अपना नाम कविता साहू पति नंदकुमार साहू उम्र 26 साल निवासी पाथरी लालबहादूर नगर पुलिस चौकी चिचोला का रहने वाली बताई। उसकी तलाशी लेने पर एक लाल नीला छींटदार प्लास्टिक के थैला में रखा 18 पौवा शोले प्लेन देशी शराब प्रत्येक पौवा में 180 मि.ली. व शराब बिक्री रकम 400/रू जुमला शराब 3.240 बल्क मिलीलीटर जुमला कीमत 1840/रू समक्ष गवाहन के बरामद कर जप्त कर आरोपी का कृत्य धारा- 34(1) आबकारी एक्ट का घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफतार किया गया। श्री पाटले ने बताया कि उक्त मामला जुर्म जमानतीय होने पर उसे जमानत मुचलके पर रिहा किया गया।

भाजपा की सरकार आते ही बढ़ जाती है अवैध शराब बिक्री और रेत की कालाबाजारी

अवैध शराब तस्करों व खनिज माफियाओं की हो जाती है बल्ले-बल्ले

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने जिले में बह रही अवैध शराब की गंगा और खनिज माफियाओं के अवैध रेत खनन व इसकी कालाबाजारी को देखते हुए भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि जब-जब भाजपा की सरकार सत्ता में आती है अवैध शराब के कारोबारी बढ़ जाते हैं और नदियों के अवैध रेत उत्खनन करने वालों को तो एक प्रकार से लायसेंस मिल जाता है। इससे इनकी बल्ले-बल्ले रहती है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में बह रही अवैध शराब की गंगा के चलते जहां तस्करों की चांदी हो जाती है वहीं धरती के सीने को खोखला करने वाले अवैध खनिज उत्खननकर्ता व नदियों के सीने को चीर कर अवैध रेत निकालने वाले माफियाओं का पांचों उंगलियां घी में रहता है। भाजपा के राज में ये माफिया बड़े ठाठ से अपना धंधा चलाते हैं।

भाजपाइयों द्वारा इन तत्वों को शह

श्री पिल्ले ने कहा कि इन तत्वों को सबसे ज्यादा शह भाजपा सरकार व उनके नुमाइंदे द्वारा दी जाती है जिसका जीता जागता सबूत शहर के मोहड़ वार्ड पार्षद हैं। उसके ही कारण मोहड़ से होकर बह रही शहर की जीवनदायिनी नदी शिवनाथ से चोरी-छिपे रेती निकलने का कुचक्र किया जा रहा था। जेसीबी के माध्यम से अवैध रूप से रेती निकाली जा रही था। गनीमत है कि मोहड़ वार्डवासियों की नजर उन पर पड़ गई और रोकथाम के लिए आगे बढ़े तो रेत माफियाओं ने उन पर गोलियां चला दीं। श्री पिल्ले ने कहा कि संस्कारधानी कहा जाने वाले क्षेत्र में इस तरह की यह पहली घटना है। यदि भाजपा वाले इस तरह को निंदनीय काम को अंजाम देते रहे तो देशी कट्टा की जगह एके-47 जैसे आग्नेयास्त्र भी निकल सकता है। श्री पिल्ले ने कहा कि प्रशासन को ऐसे तत्वों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई किया जाना चाहिए।

शुभांक

अनुमानित

बी. के
3-4-0
160-7 790-6
राजधानी
2-5-9
356-4 133-7

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

आज तहसील कार्यालय कुमरदा में राजस्व शिविर

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के मार्गदर्शन में तहसील कार्यालयों में जनसामान्य के सुविधा की दृष्टिगत तहसील स्तरीय राजस्व शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज शुक्रवार 13 जून को तहसील कार्यालय कुमरदा में तहसील स्तरीय राजस्व शिविर का आयोजन किया गया है। नागरिक शिविर में शामिल होकर राजस्व संबंधित प्रकरणों का निराकरण करा सकते है।

कलेक्टर ने शिविर में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी, कोटवार को उपस्थित रहकर राजस्व प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए है। तहसील स्तरीय राजस्व शिविर में अविवादित नामांतरण, अविवादित बंटवारा, धारा 115 के तहत त्रुटि सुधार सीमांकन, डायवर्सन, आरबीसी 6-4, किसान किताब, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, अतिक्रमण हटाये जाने से संबंधित आवेदन प्रमुख रूप से प्राप्त कर अतिशीघ्र निराकरण करना सुनिश्चित किया जाएगा। जिन आवेदनों का निराकरण मौके पर ही किया जाना संभव हो, उसे तत्काल शिविर स्थल में ही निराकृत किया जाएगा। शिविर में संबंधित न्यायालय के रीडर, भुईयां ऑपरेटर द्वारा त्वरित किये जा सकने वाले न्यायालयीन संबंधी कार्य तत्काल पूर्ण किए जाएंगे।

छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत 30 तक आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव (दावा)। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए अनुसूचित जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों से राष्ट्रीय समुद्रपारीय छात्रवृत्ति योजना (एनओएस) के लिए 30 जून 2025 शाम 5.30 बजे तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित की गई है। राष्ट्रीय समुद्रपारीय छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत विदेश में मास्टर, पीएचडी और पोस्ट-डॉक्टोरल अनुसंधान कार्यक्रमों में उच्च अध्ययन करने के लिए चुने गए छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। छात्रवृत्ति के लिए 20 स्लॉट निर्धारित है। योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित तिथि एवं समय तक वेबसाईट http://overseas.tribal.gov.in पर ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

कोविड के बढ़ते केसेज से चिंतित शारदा तिवारी ने लोगों से की सतर्कता की अपील

राजनांदगांव (दावा)। एक बार फिर वैश्विक महामारी कोरोना ने अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। देश में इसके केसेज बढ़ते जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी कोविड ने पैर पसार लिया है। इससे मौतें भी हो रही है। इससे चिंतित शहर की वरिष्ठ समाजसेवी महिला शारदा तिवारी ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है वहीं हर परिवार हर संस्था - संगठन के लोगों व दुकानदार भाइयों से कहा कि वे इस महामारी के प्रति सावधान रहें और सतर्कता बरतें। उन्होंने प्रशासन से भी कहा है कि अभी कुछ ही दिनों में स्कूल खुल जाने वाली है। मासूम से बच्चे स्कूल जाएंगे। उन्हे इस संक्रमण से कैसे बचाएं इसे प्रशासन को सोचना होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रशासन का ध्यान आवश्यक रूप से सीमा प्रांत पर ज्यादा हो। क्योंकि पिछली बार कोरोना का आक्रमण इन क्षेत्रों की ओर से हुआ था।

युक्तियुक्तकरण करण का मामला संवेदनशील

समाज सेवी व अधिवक्ता श्रीमती तिवारी ने कहा कि शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण वाला मामला काफी संवेदनशील है। सत्तापक्ष के लोगो से उन्होंने निवेदन किया है कि उनका युक्तियुक्तकरण पुरुष हो या महिला शिक्षक गण उनका पारिवारिक स्थिति व उनकी भावनाओं को ध्यान में रख कर किया जाए। शासन भी किसी प्रभाव में आकर उनकी गलत नियुक्ति न करें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की मानसिकता ठीक रहेगी तो बच्चों को ठीक तरह से पढ़ा - लिखा सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज के समय में निजी शिक्षण संस्थाओं का बोलबाला बना हुआ है। लोग स्टेटस मेंटेन करने अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। इसकी मूल वजह को ध्यान में रखते हुए सरकार शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण मामले में नरम रवैया अपनाते हुए उन्हे राहत प्रदान करें।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी खैरागढ़ जिला-खैरागढ़, छुईखदान, गंडई (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेश महरा आ. प्रीतराम निवासी शहर ग्राम चंदैनी प.ह.नं. 44 तहसील खैरागढ़, जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (छ.ग.) स्वयं सुरेश आ.प्रीतराम जन्म प्रमाण पत्र की मांग की गई है। उपरोक्त आवेदन पत्र इस न्यायालय में जन्म दिनांक 12/7/1975 को स्थान चंदैनी पर होना बताया जाकर जन्म प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु प्रकरण विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति हो तो वे सुनवाई तिथि 27/6/2025 लिखित में स्वयं/अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार दिनांक 12/6/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांक 12/6/2025
सुनवाई दिनांक 27/6/2025

कार्यपालिक दण्डाधिकारी खैरागढ़ (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्रं. 202504092300005-ब/121-वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राधेलाल वर्मा पिता अगनू जाति लोधी निवासी ग्राम ढारा तहसील डोंगरगढ़ द्वारा आवेदन पत्र पेश किया गया है कि अपने पिता अगनू वर्मा पिता रामचंद का दिनांक 17.06.2007 को ग्राम ढारा में मृत्यु हुआ था जिसका ग्राम पंचायत के जन्म/मृत्यु पंजी में दर्ज नहीं कराया गया है। आवेदक द्वारा अपने पिता अगनू वर्मा पिता रामचंद का दिनांक 17.06.2007 को ग्राम पंचायत ढारा में मृत्यु दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र, अनुलब्धता प्रमाण पत्र की प्रति पेश कर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का निवेदन किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व आपत्ति हो तो वह दिनांक 25.06.2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार डोंगरगढ़ (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, राजनांदगांव जिला-राजनांदगांव

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अलिजा सिंह आ. संतोष कुमार, निवास-सेक्टर 10 भिलाई सिविक सेंटर भिलाई के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम मोतीपुर, प.ह.नं. 34, तहसील व जिला राजनांदगांव स्थित भूमि खसरा नंबर 344/6, रकबा 0.0810 हे. भूमि के राजस्व ऑनलाईन अभिलेख में आवेदिका का नाम सुधार कर एलिप्का उर्फ अलिजा सिंह दर्ज कर अभिलेख दुरूस्त किये जाने का निवेदन किया गया है। उक्ताशय के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत पेशी तारीख 30/6/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय तक लिखित में प्रस्तुत कर सकते है, बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 6/6/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांक:- 6/6/2025
सुनवाई दिनांक:- 30/6/2025

तहसीलदार, राजनांदगांव

न्यायालय तहसीलदार राजनांदगांव जिला-राजनांदगांव

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सैय्यद फिरोज आ. सैय्यद मो. अय्युब कादरी, निवासी-गौरीनगर, राजनांदगांव के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम चिखली, प.ह.नं. 39, तहसील व जिला राजनांदगांव स्थित भूमि खसरा नंबर 502/369 में से, रकबा 0.0170हे. भूमि के राजस्व ऑनलाईन अभिलेख में खातेदार फिरदौस फातिमा ध.प. सैय्यद मो. अय्युब कादरी का नाम दर्ज कर अभिलेख दुरूस्त किये जाने का निवेदन किया गया है।

उक्ताशय के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत पेशी तारीख 25/06/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय तक लिखित में प्रस्तुत कर सकते है, बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 10/06/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांक:- 10/06/2025
पेशी दिनांक:- 25/06/2025

तहसीलदार, राजनांदगांव

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ.ग.)
कक्ष क्रमांक 20, प्रथमतल, कलेक्ट्रेट खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ.ग.)
Email-Id:- deoexcisekhairagarh@gmail.com

:: निविदा ::

क्रमांक /670/आब./निविदा/2025 — खैरागढ, दिनांक 09.06.2025

सर्वसाधारण की विशेष जानकारी के लिए यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि शासन के निर्देशानुसार खैरागढ़ नगर पालिका परिषद क्षेत्र में प्रीमियम रेंज की विदेशी मदिरा विक्रय हेतु एक प्रीमियम विदेशी मदिरा दुकान/भवन उपयुक्त स्थल पर किराये पर लिये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकार, निविदा शर्तों के अधीन तकनीकी निविदा एवं वित्तीय निविदा के बंद लिफाफे, एक बड़े लिफाफे में रख कर बंद लिफाफा दिनांक **23.06.2025** को दोपहर **02.00** बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल. जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई में जमा कर सकेगें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। तकनीकी निविदा उसी दिन सायं 04.00 बजे निविदा मूल्यांकन हेतु गठित समिति के समक्ष खोला जावेगा। निविदा के नियम/शर्तों की जानकारी एवं निविदा प्रपत्र, जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल. जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई के पक्ष में देय राशि रू. 1180/- (अक्षरी एक हजार एक सौ अस्सी रू.) (जी.एस.टी. सहित) का बैंक ड्राफ्ट (किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी) जमा कर कार्यालयीन कार्यदिवस में कार्यालयीन समय में कार्यालय जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल. जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई से प्राप्त किया जा सकता है।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

जी- 252601496/3

जिला आबकारी अधिकारी हेतु कलेक्टर खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई

शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 660 वाहनों पर की गई कार्यवाही, तीन लाख सत्तर हजार वसूले

राजनांदगांव (दावा)। शहर की चरमराई यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए गुरुवार को यातायात पुलिस सड़क पर उतरी रही। इस दौरान पाइंट लगा कर पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 660 वाहनों पर कार्रवाई की गई।

बताते चलें कि जून माह में पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन अति. पुलिस अधीक्षक मुकेश ठाकुर नक्सल ऑपरेशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में निरीक्षक अजय खेस निरी. नवरतन कश्यप एवं यातायात टीम द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकां पर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्यवाही किया गया। जिसके तहत ओव्हर स्पीड वाहनों में 62 प्रकरण, शराब सेवन कर वाहन चलाना 05 प्रकरण, दुपहिया वाहन में बिना हेलमेट 196 प्रकरण, काला

शीशा में 07 प्रकरण ,चारपहिया वाहनों में बिना सीट बेल्ट 22 प्रकरण तथा नाबालिक द्वारा वाहन चालकों पर 05 प्रकरण व प्रेशर हार्न का उपयोग 19 प्रकरण सहित दुपहिया वाहन में तीन सवारी पर 126 प्रकरण वाहन चलाते मोबाईल फोन का उपयोग 07 प्रकरण व अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर 211 वाहनों पर कार्यवाही किया गया।

बताया गया है उक कार्रवाई के तहत कुल 660 वाहन चालकों से 3,70,600 रूपये जुर्माना वसूला गया है। यातायात विभाग द्वारा कहा गया कि इस तरह की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। यातायात पुलिस की सभी वाहन चालकों से अपील है कि ओव्हर स्पीड, शराब सेवन, दुपहिया वाहन में तीन सवारी, दुपहिया वाहन में बिना हेलमेट वाहन न चलायें, ,यातायात नियमों का पालन करें। दुर्घटना से बचे एवं सुरक्षित रहे। यातायात व्यवस्था बनाये रखने यातायात पुलिस का सहयोग करें एवं असुविधा से बचे।

भारत सरकार द्वारा गेहूं के लिए स्टॉक का किया गया निर्धारण

राजनांदगांव (दावा)। भारत सरकार द्वारा गेहूं के लिए स्टॉक का निर्धारण किया गया है। गेहूं के लिए स्टॉक सीमा 31 मार्च 2026 की अवधि के लिए होगी। स्टॉक निर्धारण अनुसार व्यापारी व थोक विक्रेता 3000 मीट्रिक टन, रिटेलर प्रत्येक रिटेल आउटलेट के लिए 10 मीट्रिक टन, बिग चेन रिटेलर प्रत्येक आउटलेट के लिए 10 मीट्रिक टन बशर्ते अधिकतम मात्रा (कुल दुकानों की संख्या का 10 गुणा) मीट्रिक टन। यह अधिकतम स्टॉक होगा, जो उनके सभी रिटेल आउटलेट और डिपो पर एक साथ रखा जा सकता है। प्रोसेसर्स मासिक स्थापित क्षमता के 70 प्रतिशत मात्रा को 2025-26 के शेष महीनों से गुणा के बराबर है। भारत सरकार के पोर्टल पर स्टॉक सीमा के लिए संबंधित विधिक इकाइयां स्टॉक की घोषणा करेगी और यदि उनके पास स्टॉक निर्धारित सीमा से अधिक है, तो वह इस अधिसूचना के जारी के जारी होने के 15 दिनों के भीतर निर्धारित सीमा में करेगी। समय सीमा के बाद संबंधित स्थानों का नियमित निरीक्षण किए जाने हेतु समस्त जिलों के कलेक्टरों को आदेशित किया गया है तथा संबंधित संस्थानों का नियमित निरीक्षण राजस्व एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा किए जाने तथा अनियमितता अथवा निर्धारित लिमिट से अधिक गेहूं का भंडारण पाये जाने पर वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए है।

भाजपाई कुशासन के दुशासन से माफिया हावी - गिरीश देवांगन

सीएम का विभाग, अध्यक्ष का क्षेत्र, गृहमंत्री का प्रभार जिला में अपराध को खुली छूट

राजनांदगांव (दावा)। विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी गिरीश देवांगन ने मोहड में अवैध रेत खनन रोकने मामले में युवकों पर हुई गोलीबारी को छग सरकार की कुशासन नीति का परिणाम बताते हुए और कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री का विभाग खनिज के मामले में जिस प्रकार से गोलीबारी की घटना हो रही है। उससे छत्तीसगढ़ अपराध गढ़ बन गया है। 15 वर्षीय मुख्यमंत्री वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के निर्वाचन मुख्यालय और प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा के प्रभार जिले में भाजपा नेताओं के संरक्षण में एक संगठित माफियाओं की सक्रियता के चलते यह गोलीबारी की घटना हुई है।

श्री देवांगन के सीधे शब्दों में यह भी कहा कि छग भाजपा की सरकार आने के बाद छग में महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार, उड़ीसा राज्य जहां भाजपा की सरकार है। वहां के माफिया छत्तीसगढ़ में सक्रिय हो गए हैं। चाकू, तलवार के बाद गोलीबारी से छग अपराध का गढ़ बन गया है। छग में कानून व्यवस्था की बदहाली जग जाहिर है। भाजपा नेताओं के प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव के चलते कार्यवाही भी नहीं हो रही हैं। अवैध शराब, नकली होलोग्राम का मामला सामने आने के बाद छुटभैय्यों को पड़कर वाहवाही लूटने वाले राजनांदगांव में अवैध रेत खनन, परिवहन, भंडारण, मुरूम सहित खनिज के अवैध कारोबार के फलित साम्राज्य पर भी सरकार भ्रष्टाचार की गहरी नींद में है। शिकायतों के बाद भी कार्यवाही नहीं होने से गरियाबंद में पत्रकार पर रेत माफियों के द्वारा गोली चलाने के बाद डॉ. रमन और गृहमंत्री विजय शर्मा के प्रभार जिले में यह घटना शर्मनाक है। भाजपाइयों की संलिप्तता से मोहड़ की घटना में प्रयुक्त वाहन के वीडियो भी सोशल मीडिया में है, फिर भी कार्यवाही शून्य है।

भाजपा सरकार में बदहाल कानून व्यवस्था, गृहमंत्री के प्रभार जिले में माफिया चला रहे गोली- पिन्टू

राजनांदगांव (दावा)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता कमलजीत सिंह पिंटू ने कहा है कि प्रदेश में लगातार अपराध बढ़ता जा रहा है। प्रदेश सरकार के संरक्षण में माफिया फल-फूल रहे हैं। बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन जोरों पर हो रहा है। रेत माफिया अब लोगों पर गोलियां चलाने लगे हैं, दो दिन पहले ही राजिम में भी रेत तस्करों द्वारा पत्रकारों पर हमला किया गया। वहीं बुधवार की रात राजनांदगांव शहर के बीच मोहड़ वार्ड में रेत माफियाओं ने वार्ड के लोगों पर एक के बाद एक लगभग चार-पांच गोलियां चला दी, जिसमें वार्ड विकास समिति के अध्यक्ष सहित तीन लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लचर कानून व्यवस्था है। उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के प्रभार जिले राजनांदगांव में रेत माफिया को खुला संरक्षण मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह का निर्वाचन क्षेत्र होने के बाद भी यहां पर माफिया राज चल रहा है। अवैध तस्करी के खिलाफ आवाज उठाने वाले ग्रामीणों पर माफिया खुले आम गोली बरसा रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता श्री पिंटू ने कहा कि सत्ता सरकार के राजनीतिक संरक्षण बिना दूसरे राज्य से आए गुंडों के द्वारा अवैध रेत खदान से रेत निकालना, गोली चलना कैसे संभव हो सकता है। श्री पिंटू ने रेत माफियाओं द्वारा वार्ड के लोगों पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार को असफल बताते हुए कहा है कि सरकार सुशासन के नाम का ढिंढोरा पीट रही है और यहां प्रदेश की जनता पर माफिया गोली चला रहे हैं।

एसपी लक्ष्य शर्मा ने जिले के 6 थाना प्रभारियों का किया तबादला

साइबर सेल प्रभारी होंगे धर्मेंद्र वैष्णव

खैरागढ़ (दावा)। जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा ने जिले के 6 थानों के थाना प्रभारियों का तबादला किया है। इन तबादलों का उद्देश्य पुलिस व्यवस्था को दुरुस्त करना और प्रशासनिक कसावट लाना है। एसपी कार्यालय से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह स्थानांतरण प्रशासनिक दृष्टिकोण से किया गया है और अगले आदेश तक ये सभी अपने नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करेंगे। बदले गये थाना प्रभारियों में निरीक्षक राजेश देवदास को वर्तमान पदस्थापना रक्षित केंद्र केसीजी से हटाकर थाना प्रभारी गंडई की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निरीक्षक भीमसेन यादव को वर्तमान पदस्थापना थाना प्रभारी गंडई से हटाकर थाना प्रभारी ठेलकाडीह की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निरीक्षक शिवशंकर गेंदले को वर्तमान पदस्थापना रक्षित केंद्र केसीजी से हटाकर थाना प्रभारी साल्हेवारा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निरीक्षक धर्मेंद्र वैष्णव को वर्तमान पदस्थापना थाना प्रभारी साल्हेवारा से हटाकर सायबर सेल प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपनिरीक्षक राजकुमार महिलागे को वर्तमान पदस्थापना थाना प्रभारी ठेलकाडीह से हटाकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय केसीजी भेजा गया है, वहीं उपनिरीक्षक मोरध्वज देशमुख को वर्तमान पदस्थापना रक्षित केंद्र केसीजी से हटाकर थाना प्रभारी छुईखदान की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

किसान लगा रहे सोसायटी के चक्कर

राजनांदगांव (दावा)। महापौर मधुसूदन यादव ने रात्रि में पेण्ड्री जिला चिकित्सालय पहुॅच मोहड़ घटना में घायल रोशन ठाकुर से मुलाकात कर उनके ईलाज के लिए डॉक्टरों से चर्चा किए।

मोहला-मानपुर, चौकी जिले की सोसायटियों में खाद की किल्लत

अम्बागढ़ चौकी (दावा)। मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के सभी सोसायटी में खाद की कमी है किसानों को खाद पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा है किसान परेशान हो रहे है चक्कर लगाते थक गए है, उनकी चिंता बढ़ रही है समय पर खाद नहीं मिलने से कुछ किसान व्यापारियों से खरीदने मजबूर है वहीं छोटे किसान सोसायटी में खाद आने का इंतजार कर रहे है। मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी के जिला नोडल अधिकारी श्यामलाल ठाकुर ने बताया की शीघ्र ही जिले के समस्त सोसायटीयों के माध्यम से किसानों को खाद उपलब्ध हो जायेगा।

संस्कारधानी सेवा संस्थान ने दी श्रद्धांजलि

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी सेवा संस्थान ने आज अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट का दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हुआ है, उसमें सवार सभी यात्रियों के लिए गहरी संवेदना प्रकट हुए आज श्रद्धांजलि दी गई है, जो यात्री घायल हैं, उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करते है और जो इस संसार से विदा हो चुके हैं, उनकी आत्मा को शांति और मोक्ष की प्रार्थना किया। सेवा संस्थान ने विनम्र अनुरोध किया कि आज अपने व्यस्त जीवन से 2 मिनट निकाले और महाकाल मंत्र और गायत्री मंत्र का ध्यान करते हुए सामूहिक प्रार्थना करें। आपकी यह प्रार्थना एक ऊर्जा बनकर पीड़ितों तक पहुंचेगी। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से राजेश कुमार डागा, योगेश खत्री, राजकुमार बाफना, आलोक बिन्दल, राजेश माखीजा, संजय कुमार तेजवानी, अमित खण्डेलवाल, भावेश अग्रवाल, जैनम बैद, धनेश बरडिया, नागेश कांकरिया, अरूण शुक्ला, अशोक पांडे, दीपक वाधवानी, दिनेश चंद्र मिश्रा आदि शामिल थे।

वार्ड नं. 22 में बनेगा सामुदायिक भवन, रोड का होगा निर्माण

महापौर मधुसूदन यादव ने किया भूमिपूजन

राजनांदगांव (दावा)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन विभाग के मंत्री अरूण साव ने राजनांदगांव शहर में विकास कार्य कराने राशि स्वीकृत किए है, जिसके तहत वार्डों में मूलभूत सुविधा रोड नाली के अलावा वार्डवासियो की सुविधा के लिए सामुदायिक भवन, मंच, उद्यान आदि निर्माण कराया जा रहा है। इसी कडी में आज अनुपंम उद्यान एवं नीलगिरी पार्क में शिव मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण तथा वार्ड में दो स्थानों पर सीमेंट रोड निर्माण के लिए भूमिपूजन किया जा रहा है। उक्त उदगार महापौर मधुसूदन यादव ने वार्ड नं. 22 में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में दिए।

महापौर ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री की सोच प्रदेश में हर वर्ग का विकास हो तथा सभी को शासन की योजना का लाभ मिले। उसी प्रकार हमारे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं सांसद संतोष पाण्डे भी राजनांदगांव के विकास में तत्पर रहते है और राजनांदगांव में बडे से बडे तथा छोटे से छोटे कार्य के लिए स्वीकृति प्रदान करते है। उन्होंने कहा कि इन्ही लोगो के सहयोग से हम शहर में विकास कार्य करायेगे। अनुपम नगर में तथा वार्ड के अन्य हिस्सों में अन्य कार्य कराये जाने की मांग की जा रही है, जिसे प्राथमिकता तय कर कराया जायेगा। आज वार्ड नं. 22 में अधोसंरचना मद अंतर्गत 6-6 लाख रूपये की लागत से अनुपम नगर उद्यान व नीलगिरी पार्क में सामुदायिक भवन निर्माण करने तथा अधोसंरचना पर्यावरण उपकर निधि अंतर्गत दो स्थानों पर 5.20-5.20 लाख रूपये की लागत से सीमेंट कांक्रीटिंग रोड निर्माण के लिये दोनों जगह आयोजित कार्यक्रम में महापौर श्री यादव ने महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य आलोक श्रोती, श्रीमती वर्षा सिन्हा, श्रीमती केवरा राय, डिलेश्वर साहू, वार्ड पार्षद श्रीमती प्रियंका कुंजरेकर, पार्षद श्रीमती श्रुति लोकेश जैन, रवि सिन्हा, श्रीमती अमृता सिन्हा, सतीश साहू, दुरेन्द्र साहू, सेवक उईके, शेखर यादव, शेखर लश्करे, श्रीमती खेमीन राजेश यादव, पूर्व पार्षद अतुल रायजादा, शरद सिन्हा, विजय राय, पार्षद प्रतिनिधि पंकज कुंजरेकर, सामाजिक कार्यकर्ता सुमित भाटिया, वार्ड के वरिष्ठ डॉ. एम.डी. दिवाकर, कचरू शर्मा, शिव अग्रवाल, रूपचंद भीमनानी, मूलचंद भंसाली व संदीप भट्टाचार्य, जीवन चतुर्वेदी, प्रमोद साहू, अनुपम नगर सोसायटी के अध्यक्ष राजा भाटिया की उपस्थिति में शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर गैती चलाकर भूमिपूजन किया।

भूमिपूजन के पूर्व अनुपम नगर के विनोद लोहिया, संजय शर्मा, विनय ठाकुर, किशोर महेश्वरी, सोनू भाटिया, कृष्णा तिवारी, टीकाराम त्यागी तथा नीलगिरी पार्क के श्रीमती अर्चना राजपूत, सातोबाई साहू, रिता सिंह, शीतल गौतम, पी.सी.जेम्स, अनमोल विश्वास, अंशु गौतम ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में अभा नृत्य प्रतियोगिता में राजनांदगांव की आद्या डांस अकादमी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

राजनांदगांव (दावा)। विगत दिनों पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में अखिल भारतीय नृत्य एवं कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। कथक रॉकर्स द्वारा तरांगण मंच के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में इंडियन नेशनल डांस म्यूजिक, इंस्ट्रूमेंट, फाइन आर्ट, शास्त्रीय गायन, सेमी क्लासिकल आदि कंपटीशन एवं फेस्टिवल (प्रस्तुती) का शानदार आयोजन 30 मई से 2 जून तक दार्जिलिंग के गोरखा रंगमंच भानु भवन में किया गया था। इस प्रतियोगिता में आद्या डांस एकेडमी के होनहार छात्रों ने अपनी प्रस्तुति प्रस्तुत की और इस पूरी प्रतियोगिता में अपना वर्चस्व कायम किया। कथक एकल नृत्य, युगल एवं ग्रुप डांस प्रतियोगिताओं में सभी वर्गों में अपनी शानदार प्रस्तुति प्रदान कर सभी दर्शक दिरगाह का मनमोहन कर छत्तीसगढ़ से बाहर पश्चिम बंगाल में राजनांदगांव का नाम ऊंचा किया।

एकल कत्थक नृत्य में सब जूनियर कैटेगरी में कु. आन्या राजपूत (पुत्री बिंदु-सुरेंद्र राजपूत) एवं कु. शरण्या श्रीवास्तव (पुत्री गरिमा-मयंक श्रीवास्तव) दोनों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग कथक नृत्य एकल में कु. शताक्षी श्रीवास्तव (पुत्री गरिमा मयंक श्रीवास्तव) को द्वितीय स्थान, कु. आशी व्यास (पुत्री विधि-मुकेश व्यास) द्वितीय स्थान, कु. वंशिका गौतम (पुत्री सुमन-जिनेंद्र गौतम) द्वितीय स्थान, कु. तनिष्का पंजवानी (पुत्री दिव्या-नंदकुमार पंजवानी) द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर कत्थक एकल नृत्य कैटेगरी में कु. अंशिका त्रिपाठी (पुत्री उषा-राम प्रकाश त्रिपाठी) प्रथम स्थान, कु. अंशिका राजपूत (पुत्री बिंदु-सुरेंद्र राजपूत) प्रथम स्थान, कु. प्रकृत सिंह कोर्राम (पुत्री कविता-इंदर सिंह कोर्राम) द्वितीय स्थान, कु. हंशिका गौतम (पुत्री सोनाली-खिनेंद्र गौतम) द्वितीय स्थान, आद्या मानकर (पुत्री स्वाति-ललित मानकर) प्रथम स्थान के साथ ही दिवस का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का अवार्ड भी प्रदान किया गया। यूथ वर्ग में तनुश्री केहरी (पुत्री वर्षा-अक्षय केहरी) प्रथम स्थान के साथ ही दिवस का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का अवार्ड प्राप्त किया।

युगल कथक नृत्य वर्ग में श्रीमती कविता कोर्राम व श्रीमती गरिमा श्रीवास्तव को शानदार प्रस्तुति हेतु द्वितीय स्थान प्रदान किया। इसके साथ-साथ कत्थक समूह नृत्य में आद्या डांस एकेडमी के प्रशिक्षुओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस पूरी प्रतियोगिता में आद्या डांस एकेडमी के प्रशिक्षुओं के द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रदर्शन की सभी ने सराहना की एवं उनकी लगन और कला के प्रति उनके समर्पण की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य एवं कला के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु कुछ नृत्य की नसीहते प्रदान किया। सभी उपस्थित निर्णायकगणों ने अपने आशीष वचनों के साथ उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की। संस्था के सभी प्रशिक्षुओं ने गुरु श्रीमती स्वाति मानकर के निर्देशन में अपनी नृत्य कौशल की प्रस्तुति इस मंच में प्रस्तुत की। कथक नृत्य गुरु श्रीमती स्वाति मानकर को श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु गुरु आचार्य श्रेष्ठ सम्मान से सम्मानित किया गया। जो कि यह राजनांदगांव के लिए एक गौरव की बात है।

हिंदू-मुस्लिम सब एक समान- संत लाल दास सांई

सिंधु भवन में श्री झूलेलाल कथा का विश्राम

राजनांदगांव (दावा)। श्री झूलेलाल कथा के तीसरे दिन चकरभाटा वाले संत लाल दास सांई झूलेलाल कथा को अच्छा प्रतिशत मिल रहा है एवं दिन-ब-दिन भीड़ बढ़ती जा रही है। आज पूरा सिंधु भवन खचाखच भरा हुआ था। आज अंतिम दिन सांई लाल दास ने श्री झूलेलाल भगवान के जन्म से लेकर 13 वर्षों तक का पूरा वर्णन किया और बताया कि किस प्रकार हिंदू धर्मांतरण करने वाले मुसलमान बादशाह को सबक सिखाया।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में उनके ही राज दरबार में राजा को अपनी लीला दिखाई, परंतु राजा बाज नहीं आया, तब मजबूर होकर पूरे ठठे शहर को झूलेलाल भगवान ने जलमग्न कर दिया एवं हिंदुओं के घर छोडकर बाकी सभी मुसलमान के घर जलने लगे। स्वयं राजा का महल भी जलमग्न हो गया और राजा अपने ही महल में सबसे ऊपर छत में जाकर श्री झूलेलाल भगवान को पुकारने लगे, तब भगवान ने तलवार लेकर राजा के सामने घोड़े पर सवार होकर प्रकट हो गए और जैसे ही राजा का सर कलम करने ही वाले थे, राजा ने उनका पैर पकड़ लिया और माफी मांगने लगे।

पूज्य सिंधी पंचायत के मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता अशोक पंजवानी ने बताया कि भगवान झूलेलाल ने समझाया कि राजा, हिंदू-मुस्लिम सब एक समान है। जैसे तुम्हें अपना धर्म प्यारा है, वैसे ही हिंदुओं को अपना धर्म प्यारा है, इसलिए यह धर्मांतरण तुरंत बंद करवाओं, अन्यथा तुम्हारा धर्म खत्म हो जाएगा, तब राजा ने धर्मांतरण रुकवाया। अच्छे से राजपाठ करने लगा। छह महीने तक ठठे शहर में रहकर भगवान झूलेलाल ने राजा को राज पाठ करने के लिए राजपथ करने का मंत्र सिखाया कि प्रजा को अपना परिवार समझ करके और अपना राज पाठ चलाएं।

इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत हेमू कालाणी के अध्यक्ष मन्नूमल मोटवानी, आवतरात तेजवानी, गुरूमुख दास वाधवा, राजा माखीजा, दौलत राम चंदानी, हुंदल रात मनकानी, पूर्व पार्षद अशोक पंजवानी, हरीश मोटवानी, जयपाल मंगवानी, सुनील लेखवानी, चंदन रूचंदानी, संदीप सहेबानी, मुरली पंजवानी, कमल गंगवानी, कौशल शर्मा, पवन जेठानी, भीमन धनवानी, रोहित माखीजा, गौरव आहूजा, अखिल अंदानी, कन्हैया तलरेजा, अमित गिडवानी, सूरज पंजवानी, जय पंजवानी, तरूण आहूजा, राम रूचंदानी, विनय दरयानी आदि उपस्थित रहे।

रेंगाकठेरा में बाहरी व्यक्ति को व्यवसायिक दुकान देने का विरोध कर रहे ग्रामीण

अम्बागढ़ चौकी (दावा)। विकासखण्ड अम्बागढ़ चौकी के ग्राम पंचायत रेंगाकठेरा में व्यवसायिक परिसर का निर्माण कराया गया है जिसका लाभ ग्रामवासियों को नहीं मिल रहा है। ग्रामवासी ने पंचायत पर आरोप लगाया है कि पंचायत के बाहर के व्यक्ति को व्यासायिक परिसर की दुकान एवं गोदाम हेतु आबंटित किया गया है जो कि बम्हनीभाट का निवासी है उसे उषा कृषि केंद्र हेतु दुकान एवं दूसरी दुकान को गोदाम के लिए आबंटित कर दिया गया है जो नियम के विरुद्ध है उसे तत्काल दुकान गोदाम खाली करवाने एवं स्थानीय लोगों को देने की मांग की है। इस संबध मे जानकारी लेने के लिए सरपंच सचिव से सम्पर्क किया गया उनसे सम्पर्क नहीं हो पाया।

अनमोल दावा

"दूसरों के सही कदम से अवश्य ही सीखा जा सकता है। पर उनकी गलतियों से उससे भी बेहतरीन सीख मिलती है।

वैवाहिक संबंधों में विश्वास का खात्मा, इस दुनिया में किस पर करें भरोसा?

इन दिनों आए दिन ऐसी खबरें आती हैं कि पति ने पत्नी को मार दिया। पत्नी ने पति को तरबूज में जहर मिलाकर खिला दिया। बेटी ने प्रेमी के लिए पूरे परिवार को मार डाला। पिता ने दूसरी शादी करने के लिए बच्चों का गला घोंटा। यदि अपनों का ही विश्वास न रहे तो आखिर हम दुनिया में किसका भरोसा कर सकते हैं।

पति को मारकर उसके शव को नीले ड्रम में सीमेंट से ढकने वाली मेरठ की मुस्कान का केस ठंडा भी नहीं हुआ था कि इंदौर की सोनम का मामला सामने आ गया। कौन अपराधी है और कौन नहीं, अदालत किसे कितनी सजा देगी, यह वक्त बताएगा, लेकिन यह सोचकर दहशत होती है कि हनीमून के लिए मेघालय गई सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी को मरवा दिया।

ससुराल वालों के साथ खुश रहना, विवाह के समय नाचना-कूदना और मन में किसी और योजना का चलना। क्या सचमुच उसने राज कुशवाहा जैसे फटेहाल प्रेमी के लिए यह सब किया या किसी और के लिए? राजा की हत्या का राज खुलने के बाद कुछ लोग एनसीआरबी रिपोर्ट का हवाला देकर कह रहे हैं कि 90 प्रतिशत से अधिक अपराध पुरुष करते हैं और स्त्रियां तो मात्र छह-आठ प्रतिशत ही ऐसा करती हैं। क्या यह कहा जा रहा है कि जब तक 92-94 प्रतिशत स्त्रियां भी अपराध न करने लगें, तब तक इन घटनाओं की अनदेखी की जाए?

अपराध को अपराध की तरह देखना चाहिए। स्त्री-पुरुष नहीं करना चाहिए। इसीलिए लंबे अर्से से मांग हो रही है कि स्त्रियों संबंधी कानूनों को लैंगिक भेद से मुक्त किया जाए। स्त्री या पुरुष, जो भी अपराधी हो, उसे सजा मिले। कई महिलाएं टीवी डिबेट्स में कह रही हैं कि सोनम का मीडिया ट्रायल किया जा रहा है, जबकि वह राजा के घर वालों से बात कर रहा है तो सोनम और राज कुशवाहा के घर वालों से भी।

जब किसी पुरुष के आरोपित बनते ही उसके परिवार वालों को रात-दिन दिखाया जाता है, तब ऐसे विचार क्यों प्रस्फुटित नहीं होते? दुष्कर्म के मामलों में महिलाओं के तो नाम बताना, चित्र दिखाना अपराध है, लेकिन पुरुषों के चित्र हर वक्त दिखाए जाते हैं। अगर वे निर्दोष साबित हो जाते हैं तो क्या उनकी और उनके परिवार की खोई प्रतिष्ठा वापस मिलती है? अनेक बार तो नौकरी तक चली जाती है।

इस प्रसंग में 1988 का चर्चित इंदु अरोड़ा-अजीत सेठ कांड याद आता है। हरीश से विवाहित इंदु के अजीत से संबंध थे। उन्हें लगता था कि उनके संबंधों में इंदु के दो छोटे बच्चे रोड़ा बन रहे हैं। दोनों ने मिलकर बच्चों पर मिट्टी का तेल छिड़का और आग लगा दी। उस समय इस घटना पर भी लोगों में काफी आक्रोश जागा। जब उन्हें जेल भेजा गया तो वहां कैदियों ने उनकी पिटाई की।

मेघालय की घटना से राजा रघुवंशी और सोनम के साथ उन चार लड़कों के परिवार भी तबाह हुए, जिन्हें हत्या के आरोप में पकड़ा गया है। जो किसी अपराध को अंजाम देते हैं, उन्हें यह क्यों नहीं लगता कि वे पकड़े भी जाएंगे या यह सोचते हैं कि कुछ भी करके बच निकलेंगे? पुरुषों के अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था एकम न्याय फाउंडेशन की दीपिका भारद्वाज ने दो फिल्में बनाई हैं-मार्टरस आफ मैरिज और इंडियाज संस।

वह पुरुष आयोग बनाने की मांग करती रही हैं। उन्होंने पत्नियों द्वारा पति की हत्या और पुरुषों की आत्महत्या के मामलों का अध्ययन किया था। इसके अनुसार देश भर में जनवरी 2023 से लेकर दिसंबर तक 306 पतियों और कई मामलों में उनके परिवार वालों की हत्या पत्नियों द्वारा की गई। इनमें से कुछ हत्याओं को आत्महत्या बताने की कोशिश की गई।

एक तरफ महिलाओं के बारे में कहा जाता है कि वे बहुत सशक्त हो रही हैं, लेकिन दूसरी तरफ जैसे ही कोई स्त्री अपराध करती है, उसके बचाव में कहा जाने लगता है कि वह तो ऐसा कर ही नहीं सकती। क्यों नहीं कर सकती? आखिर वे स्त्रियां कौन हैं, जो जघन्य अपराध कर रही हैं? कई बार सोचती हूं कि किसी अपराध को साबित करने के लिए पुलिस के सामने भी कितनी चुनौतियां होती हैं। राजा की हत्या के मामले में मेघालय पुलिस को आलोचना का सामना करना पड़ा। वह जिस तरह बिना किसी प्रतिक्रिया के मामले की छानबीन करती रही, वह तारीफ के काबिल है।

प्रतिक्रिया न देने पर सोनम और राजा के परिवार वाले उसकी लगातार आलोचना कर रहे थे। मेघालय में ऐसे अपराध न के बराबर होते हैं। वहां भी इस घटना पर लोगों में गुस्सा है। लोग दोनों परिवारों से माफी की मांग कर रहे हैं। कुछ कह रहे हैं कि पूर्वोत्तर को बेवजह बदनाम किया गया। लोग पूछ रहे हैं कि यदि सोनम को राजा पसंद ही नहीं था तो उससे विवाह क्यों किया? यदि उसे इसकी चिंता थी कि मना करेगी तो हृदय रोगी पिता का क्या होगा, तो क्या अब वह बहुत खुश होंगे? वह नाते-रिश्तेदारों, आसपास वालों का सामना कैसे कर रहे होंगे? आखिर हमारे समाज में भरोसे में इतनी कमी (ट्रस्ट डेफिसिट) कैसे हो गई।

इन दिनों आए दिन ऐसी खबरें आती हैं कि पति ने पत्नी को मार दिया। पत्नी ने पति को तरबूज में जहर मिलाकर खिला दिया। बेटी ने प्रेमी के लिए पूरे परिवार को मार डाला। पिता ने दूसरी शादी करने के लिए बच्चों का गला घोंटा। यदि अपनों का ही विश्वास न रहे तो आखिर हम दुनिया में किसका भरोसा कर सकते हैं। क्या यह कहने से समस्या हल हो सकती है कि विवाह संस्था सड़-गल चुकी है और अब इससे निजात पा लेनी चाहिए। लेकिन पति को पार्टनर कहने भर से स्थितियां नहीं बदल जातीं।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देश के दो परस्पर विरोधी दृश्य

अवधेश कुमार

हमारे सामने `ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर देश के दो परस्पर विरोधी दृश्य हैं। विदेश गए सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने इस तरह भारत का पक्ष प्रस्तुत किया जैसे देश पाकिस्तान केंद्रित सीमा पार आतंकवाद, जम्मू-कश्मीर तथा `ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर पूरी तरह एकजुट है और कोई विपक्ष है ही नहीं।

दूसरी ओर आप पहलगाम हमले से लेकर `ऑपरेशन सिंदूर' और उसके बाद देश के अंदर विपक्ष की भूमिका देखिए, किसी भी देशभक्त और सच्चाई का ज्ञान रखने वाले निष्पक्ष व्यक्ति का दिल दहल जाएगा या फिर उसको गुस्सा आएगा। ऐसा कोई दिन नहीं जब विपक्ष के बड़े नेता `ऑपरेशन सिंदूर' पर मोदी सरकार को घेरने की कोशिश नहीं कर रहे। लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पहले दिन से प्रश्न उठा रहे हैं कि हमारे कितने लड़ाकू विमान को नुकसान हुआ। लगभग यही स्वर कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे का है। जयराम रमेश ने तो लगता है जैसे `ऑपरेशन सिंदूर' को ही अपने सोशल मीडिया का मुख्य विषय बना दिया है। सबसे अंतिम हमला सिंगापुर शंग्रीला सम्मेलन में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान के भाषण और ब्लूमबर्ग को दिए साक्षात्कार पर है।

सभी नेता एक साथ टूट पड़े हैं कि अब सरकार बताए कि कितने राफेल नष्ट हुए, इस पर संसद का विशेष सत्र बुलाएं तथा रिव्यू कमेटी यानी पुनरीक्षण समिति बनाया जाए। इसमें यहां विस्तार से जाने की आवश्यकता नहीं है। सीडीएस का पूरा इंटरव्यू सबके सामने है। उसमें कहीं नहीं है कि पाकिस्तान ने हमारे कितने लड़ाकू विमान गिराए या हमें कोई बड़ी क्षति हुई। यह सामान्य बात है कि कोई भी युद्ध या लड़ाई एकपक्षीय क्षति वाली नहीं होती। यही सीडीएस ने कहा है। किसी को ज्यादा क्षति होगी किसी को कम। मूल बात यह है कि भारत ने पाकिस्तान के सैन्य दुस्साहस का ऐसा करारा प्रत्युत्तर दिया, जिससे उसकी हुई व्यापक क्षति के बारे में दुनिया के विशेषज्ञ बता रहे हैं और उनसे संबंधित उपग्रह के चित्र आदि सामने ले जा चुके हैं। कई बार लगता है कि हम सरकार को घेर रहे हैं सेना और देश को नहीं। किंतु इसका दूसरा पहलू यही है कि सरकार निर्णय करती है क्रियान्वित सेना करती है।

सेना सरकार के लिए नहीं देश के लिए सैन्य कार्रवाई करती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' में सरकार ने यह तय नहीं किया होगा कि सेना कैसे कार्रवाई करे कि हथियार, लड़ाकू विमान, मिसाइल, राडार आदि का प्रयोग करें या कितने जवान उनमें लगें। जिस तरह पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री सीडीएस, तीनों सेना के प्रमुखों से लेकर विदेश मंत्री, उनसे जुड़े मंत्रालय, रक्षा मंत्री, मंत्रालयों के अधिकारी एवं अन्य अलग-अलग आवश्यक क्षेत्र के शीर्ष लोगों से मिल रहे थे उससे साफ था की रणनीति पर गहराई से विचार हो रहा है। निश्चित रूप से सैन्य रणनीतिकारों ने अपनी पूरी स्थिति से अवगत कराते हुए उन्हें आस्त किया होगा या फिर उनकी जो आवश्यकता होगी उसके बारे में बात की होगी।

सरकार यानी राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका साहसपूर्वक निर्णय करने के साथ सेना को कार्रवाई और रणनीति की संपूर्ण स्वतंत्रता देना तथा अपने व्यवहार एवं कदमों से आस्त करना कि कार्रवाई में किसी तरह की आवश्यकता में कमी नहीं होगी। कहने का तात्पर्य कि पाकिस्तान की सैन्य प्रतिक्रियाओं का उत्तर हमारी सेना दे रही थी। यह भी सच है कि टकराव शुरू होने के बाद विदेश के प्रमुख नेताओं ने राजनीतिक नेतृत्व से ही संपर्क किया होगा। सरकार की ओर से अमेरिकी उपराष्ट्रपति, विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आदि ने कब-कब किसे कॉल किया इसका भी विवरण देश के सामने रखा जा चुका है।

ट्रंप के भी वक्तव्य में क्या है? हमने दोनों देशों को समझाया..उन्हें कहा कि आपके साथ पूरा ट्रेड करेंगे..दोनों देश के नेताओं ने बुद्धिमता का परिचय दिया..हमने दो न्यूक्लियर यानी नाभिकीय संपन्न देशों के बीच नाभिकीय टकराव रोका आदि आदि। इसी में एक जगह उन्होंने किसी तटस्थ स्थान पर मध्यस्थता में बातचीत कराने का भी वक्तव्य दे दिया। यह बात अलग है कि अपनी मध्य पूर्व यात्रा के दौरान उन्होंने बोल दिया कि हमने कोई मध्यस्थता नहीं की। सामान्य तौर पर भी जिन्होंने भारत के वक्तव्यों पर ध्यान दिया होगा उन्हें स्पष्ट है कि हमारे स्टैंड में किंचित भी अस्पष्टता नहीं थी।

10 मई को ही भारत ने साफ कर दिया कि किसी तरह की आतंकवादी घटना युद्ध मानी जाएगी। दूसरे, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन, फिर आदमपुर और बीकानेर के भाषणों में एक-एक बिंदु रख दिया कि आतंकवाद और बातचीत, व्यापार और आतंकवाद नहीं चलेगा। यहां तक कि पानी और खून भी एक साथ नहीं बहेगा। यह भी कहा कि अब अगर आतंकवादी घटना हुई तो सेना को सीधा नुकसान उठाना पड़ेगा। हम इसे केवल आतंकवादियों की नहीं मानकर पाकिस्तान सरकार और सेना की कार्रवाई मानेंगे और उसी प्रकार प्रत्युत्तर देंगे। सबसे बढ़कर पाकिस्तान से बातचीत होगी तो केवल पाक अधिकृत कश्मीर पर।

बावजूद आप लगातार प्रश्न उठा रहे हैं तो इसे भारत या सेना का कतई समर्थन नहीं कहा जाएगा। यह सेना व देश दोनों का विरोध है। विडंबना देखिए कि अमेरिका भी नहीं कह रहा है कि हमने दबाव डालकर युद्धविराम कराया या रु कवाया, मध्यस्थता शब्द भी कहीं से नहीं आ रहा। अमेरिका गए प्रतिनिधिमंडल को भी ट्रंप प्रशासन के लोगों ने ऐसा नहीं कहा, हमारा दुश्मन और पाकिस्तान का समर्थन करने वाला चीन तक नहीं कह रहा कि भारत ने दबाव में युद्ध रोका और भारत-पाक के बीच बातचीत होगी।

अब देश को पूछना चाहिए कि राहुल गांधी, खरगे, रमेश, अखिलेश यादव आदि को यह जानकारी कहां से मिल गई? दूसरे, अगर हमारी सेना ने पाकिस्तान को पस्त किया तो फिर आप युद्ध में क्षति का प्रश्न किससे पूछ रहे हैं? जब आप किसी सैन्यबल वाले शत्रु देश को सबक सिखाने गए हैं तो माना गया होगा कि हमारी भी क्षति हो सकती है। मुख्य बात यह होती है कि हमारी क्षति और हमारे बलिदान का पूरा मूल्य हमें प्राप्त हुआ या नहीं। इस मायने में देखें तो जैसी कार्रवाई भारत ने की, संपूर्ण विश्व में उसका लोहा माना गया और हमारे स्वदेशी तकनीक से निर्मित हथियारों की मांग दुनिया में बढ़ी है।

विचार सरिता

जीवन सूत्र : सामर्थ्य होने पर भी चुनौती न स्वीकारने होती है अपकीर्ति

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

मनुष्य कई बार विपरीत परिस्थितियों का सामना करने से बचता है।वह किसी भी नई चुनौती को स्वीकार करने से हिचकता है। मनुष्य का सार्वजनिक जीवन में लोक व्यवहार केवल उसके भौतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए नहीं है। वह सामाजिक, दायित्व, उत्सवप्रियता और सहयोग की भावना के कारण भी मेलजोल बढ़ाता है। वह घर से बाहर जिस तरह का आचरण करता है और सार्वजनिक जीवन में अपनी जिम्मेदारियाँ उठाता है, उससे उसका चरित्र निर्मित होता है। उसके व्यवहार से उसकी सार्वजनिक छवि बनती है और इसी के अनुरूप अन्य लोग उससे व्यवहार करते हैं।

सार्वजनिक जीवन में कई बार ऐसी स्थिति निर्मित होती है, जब उसे किसी कार्य को संपन्न करने के लिए स्वयं को आगे बढ़कर प्रस्तुत करने का विकल्प मिलता है। साहसी व्यक्ति नयी चुनौती को स्वीकार कर लेता है। इसका कारण यह है कि वह चुनौती को अवसर के रूप में लेता है। उस कार्य को कुशलतापूर्वक संपन्न करता है और सफल होने पर न सिर्फ प्रशंसा को प्राप्त करता है, बल्कि उसकी विश्वसनीयता भी बढ़ती है। इससे उसका सार्वजनिक व्यक्तित्व अपने आप गढ़ा जाता है और ऐसे व्यक्ति को कीर्ति तथा यश की प्राप्ति होती है।

इसके विपरीत अगर व्यक्ति कोई नयी चुनौती उपस्थित होने पर अपने कदम पीछे खींच ले तो सार्वजनिक जीवन में उसकी छवि चुनौतियों को स्वीकार न करने वाले पलायनवादी और आत्मकेंद्रित व्यक्ति की बन जाती है।

एक तीसरी विशिष्ट स्थिति और है, जब कोई साहसी व्यक्ति अपनी छवि के विपरीत कोई चुनौती स्वीकार करने से पीछे हट जाए। ऐसा व्यक्ति अपनी पूर्व निर्मित छवि से उलट काम करने के कारण अपयश को प्राप्त होता है और लोग उसे कायर समझते है। कारण चाहे जो हो, पर ऐसे व्यक्ति की स्थिति महाभारत युद्ध से पूर्व अर्जुन की सी हो जाती है। याद रखें, आपकी छवि आपकी कार्यक्षमता के आधार पर ही बनती है। अतः केवल भावी नुकसान और संभावित पराजय के डर से इसे न टूटने दें।

स्रोत श्लोकः-

गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है:-
अकीर्तिं चापि भूतानि
कथयिष्यन्ति तेऽव्ययाम।
संभावितस्य
चाकीर्तिर्मरणादतिरिच्यते।।2/34।।
अर्थात (अगर तू इस धर्म युद्ध को नहीं करेगा तो....) सब लोग तेरी निरंतर अपकीर्ति करेंगे, और माननीय पुरुषके लिए तो अपकीर्ति मरने से भी बढ़कर है।

पाठकों के पत्र

हमर संस्कारधानी

रिहिस इहे एक राजा अइसन
अबड़ धर्मी, बड़ दानी।
एखरे सेती कहाथे हमर
नांदगांव ह संस्कारधानी।।
कवि/साहित्यकार मन के नगरी
सुघ्घर कविता कहानी।
सबला मिलथे पेट भर भोजन
पीये बर निरमल पानी।
चारो मुड़ा रुख-राइअऊ झुला,
महकथे जिहां रातरानी।
एखरे सेती कहाथे हमर
नांदगांव ह संस्कारधानी।।
कवि/साहित्यकार, कलाकार के
भरे इंहा भण्डार हे।
गुरतुर बोली, भाखा जिहा,
सुख सुम्मत परिवार हे।
बड़का कलमकार बख्शी जी
मुक्तिबोध जी, चोटिया
बल्देव प्रसाद के नगरी में रहिथे
ज्ञानी, धियानी, गौउटिया।
संझा-बिहनिया गूंजत रहिथे,
देवालय में अमृत बानी,
तेखरे सेती कहाथे हमर
नांदगांव ह संस्कारधानी।।
दया-मया के इंहा गागर हे,
सुघ्घर रानी सागर हे।
चिक्कन-चांदों सड़क इहां
रेगे म एक मन आगर हे।
सरोज द्विवेदी, कोठारी जी,
कोशा, कुबेर के शान हे।
नाचा-गम्मत के नगरी, जेकर
दुनिया में अलग पहिचान हे।
बुढ़ा बबा मन शंकर कस हावय,
दाई मन सती भवानी।,
एखरे सेती कहिथे हमर,
नांदगांव ल संस्कारधानी।।
नांदगांव के पोहा-जलेबी,
खाय म गजब मिठाथे।
मानव मंदिर के बने मिठाई
महर-महर ममहाथे।
खवईया मन गुन ल गाथे,
रही-रही के सुरता आथे।
नांदगांव के गुरतुर गोठ- बानी
छत्तीसगढ़ ल भाथे।
बढ़िया मिलथे, सस्ता मिलथे,
जिंहा जिनिस आनी-बानी।।
एखरे सेती कहाथे हमर
नांदगांव ह संस्कारधानी।।

आनंदराम सार्वा
कु.बो.भाठागांव (राजनांदगांव)

सामयिक चर्चा

आज पुलिस डिक्शनरी पर

अखबार उठाते ही, हेडलाइन पढ़कर
बानी बोले - ''यह हिन्दी भाषा के लिए,
बहुत ही अच्छी बात है गजाधर!
कि हमारे प्रदेश के थानों की लिखा पढ़ी से
अब फारसी, उर्दु और अन्य भाषाओं के
कठिन शब्दों की जगह, हिन्दी के
सरल-सहज शब्द लिखे जाएंगे।
पुलिस डिक्शनरी से जो शब्द हटाए जाएंगे
उनमें खयानत, मौका मुस्तब जैसे
दो सौ बीस शब्द रहेंगे।
खयानत को हड़पना, मौका मुस्तब को
घटना स्थल पर की गई कार्रवाई,
नकबजनी को सेंधमारी लिखेंगे।
तो गजाधर! बताइए, 'पुलिस डिक्शनरी' को
हिन्दी में क्या कहेंगे?''
यह सुनते ही गृहस्थ गिरधारी चिढ़ गए-
''ये बानी न! कुछ भी पूछते रहता है।
'पुलिस डिक्शनरी' हिन्दी शब्द है,
इतना भी नहीं समझता है?
क्यों, मैं ठीक कह रहा हूँ न गजाधर!''
गजाधर बोले मुस्कराकर-''गिरधारी! पुलिस डिक्शनरी
हिन्दी शब्द तो नहीं है, पर यह सच है कि
हिन्दी में वह शब्द रचबस गया है।
इसलिए इसे बदलने की जरूरत नहीं है।
इसी तरह-गिरफ्तार, मातहत, कब्जा, इरादतन,
कत्ल, कातिल, कातिलाना और गुजारिश
शब्द भी हिन्दी हो गये हैं।
इसलिए इनका बदलना भी ठीक नहीं है।
इन शब्दों को पुलिस डिक्शनरी में
जस का तस रखना उचित होगा,
जो मेरी दृष्टि में उचित है, सही है।''

-गिरीश बख्शी

राशिफल

मेष
आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज आपको अपने खर्चे पर नियंत्रण रखना चाहिए। किसी भी फैसले में जल्दबाजी करने से आपको बचना चाहिए। इस राशि के जो लोग लेखक हैं, उनकी किसी कविता को ज्यादा से ज्यादा लोग पसंद करेंगे, आपको किसी संस्था के द्वारा सम्मानित भी किया जा सकता है। आज माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेगा।

वृष राशि
आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप परिवार वालों के साथ टाईम स्पेंड करेंगे , घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा। आप किसी काम को नये सिरे से शुरू करने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आज आपके कार्य समय से पूरे होते चले जायेंगे। लवमेट आज अपने रिश्ते को और मजबूत बनाने के लिए एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप कार्यस्थल पर कुछ बदलाव कर सकते हैं, इससे आपको फायदा होगा। आज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ हो सकता है। परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बढ़ोत्तरी के नये अवसर प्राप्त होंगे। आपको मनचाही जगह पर ट्रांसफर का ऑफर मिल सकता है। आपकी रूचि सामाजिक कार्यों में रहेगी।

कर्क
आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज आपका नजदीकी मित्र आपसे मिलने आ सकता है, आप उनसे अपनी कुछ निजी बातें शेयर कर सकते हैं, मन हल्का होगा। परिवार की उलझनों को सुलझाने में आज किसी रिश्तेदार की मदद मिल सकती है। छात्रों के लिए दिन ठीक है, पढ़ाई में आ रही बाधाएं किसी की मदद से दूर हो सकती हैं। अपने काम पर ध्यान देने की जरूरत है।

सिंह
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप जो भी काम हाथ में लेंगे, वो पूरा हो जायेगा, साथ ही अन्य कामों की गति बनी रहेगी। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं, उनके विवाह की बात फाइनल हो जाएगी। अगर आप स्टूडेंट हैं और किसी विषय के लिये ट्यूशन क्लासेज लेना चाहते हैं, तो आज से शुरू कर सकते हैं। आप अपनी बात सबको समझाने में सफल होंगे।

कन्या
आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज लोग आपकी बातों पर पूरा ध्यान देंगे, यात्रा की योजना बन सकती है। पैसों की कुछ उलझी हुई स्थितियों का समाधान आज निकल जायेगा। आज आपके आस-पास के लोग आपके व्यवहार की तारीफ करेंगे। आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आप अपनी बात दूसरों को समझने में बहुत हद तक सफल होंगे।

तुला
आज का दिन बदलाव से भरा रहेगा। आज का दिन जीवन में अहम मोड़ लाएगा, जिससे कुछ बदलाव होना संभव है। आपको अपने करियर का कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है, ध्यान रहे जो भी करें, सोच-समझ कर करें। अगर आप नौकरी कर रहे हैं, तो अचानक से आपको किसी काम के लिये बाहर भेजा जा सकता है। आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

वृश्चिक
आज का दिन जीवन में किसी नयी खुशी का संकेत लायेगा। आज जीवनसाथी आपको एक बड़ी खुशखबरी देंगे, परिवार के बाकी लोग भी काफी खुश नजर आयेंगे। रिश्तों और काम के बीच तालमेल बना रहेगा। इस राशि के मैनेजर पोस्ट के लोग अपने काम को अच्छे से संभालेंगे। आज आपके व्यापार की गति बढ़ेगी और इनकम बढ़ाने के मौके भी मिलेंगे।

धनु
आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा जिससे आपका काम समय पर पूरा होगा। आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं। आपकी मदद दूसरों के लिये फायदेमंद रहेगी। स्टूडेंट्स पढ़ाई को लेकर कुछ बदलाव कर सकते हैं। अपने कठिन विषयों को समझने के लिये किसी की मदद लेंगे।

मकर
आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी काम में माता- पिता की सलाह फायदेमंद साबित होगी। इस राशि के स्पोर्ट्स से जुड़े लोग किसी नई एक्टिविटी में भाग ले सकते हैं। आज आप अपने करियर के बारे में सोच-विचार करेंगे। आपके धन-संपत्ति में बढ़ोतरी होने की संभावना है। सेहत के मामले में आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज का दिन पहले से थोड़ा बेहतर रहेगा।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज ऑफिस में आपको कोई ऐसा काम दिया जायेगा, जिसे आप आसानी से पूरा कर लेंगे। आज आपसे किसी मामले में एक्सपर्ट के तौर पर सलाह ली जा सकती है। आपका वैवाहिक जीवन बेहतर बना रहेगा। जो लोग अपने बिजनेस को शिफ्ट करना चाहते हैं या कोई दूसरी ब्रांच खोलना चाहते हैं, वो आज इसकी प्लानिंग कर सकते हैं।

मीन
आज का दिन यात्रा में बीत सकता है। ये यात्रा ऑफिस के किसी काम से रिलेटेड हो सकती है। आज आप कुछ मस्ती के मूड में रहेंगे, इससे आपका मन खुश रहेगा। इस राशि के बच्चे किसी ड्राइंग कॉम्पिटिशन में भाग ले सकते हैं। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात होने की संभावना है। रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ नयापन आ सकता है। घर के ज्यादातर कार्य पूरा करने में सफल होंगे।

शब्द सामर्थ्य -077

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्ष, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे
1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

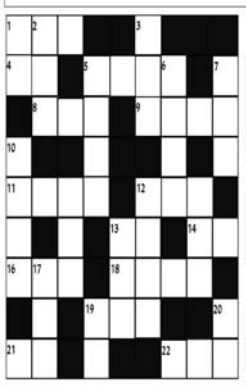

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 076 का हल

पं	कि	■	स्वा	द	■	स	ब	ब
जा	■	सु	हा	ना	■	■	ली	द
ब	हु	धा	■	द	ल	ना	■	ल
■	■	क	मा	न	■	ग	ह	ना
भं	व	र	■	■	■	या	म	■
गी	त	■	म	ज	बू	र	■	ट
■	न	म	स्का	र	■	■	■	र
■	■	र्या	■	■	ब्री	■	ना	का
सं	वि	दा	■	ब	स	च	ल	ना

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष- मोदी सरकार की विकास यात्रा पर आधारित प्रेस वार्ता एवं प्रदर्शनी कार्यक्रम भव्य रूप से संपन्न

मोहला (दावा)। आज 12 जून को प्रेस क्लब मोहला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष' पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर एक भव्य प्रेसवार्ता एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस गरिमामयी आयोजन में पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, भाजपा जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, पूर्व विधायक व संसदीय सचिव संजीव शाह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश हिडामे एवं संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के संयोजक अनिल गुप्ता मंचासीन रहे और अपने विचार प्रस्तुत किए।

मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व सांसद प्रदीप गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी जी के 11 वर्षों के नेतृत्व में भारत के सामाजिक, आर्थिक, कूटनीतिक और रणनीतिक विकास की गाथा को विस्तारपूर्वक रखा। उन्होंने बताया कि किस प्रकार जन-धन योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, हर घर जल मिशन, जैसे ऐतिहासिक योजनाओं ने देश के करोड़ों नागरिकों के जीवन को स्पर्श किया और उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया।

श्री गांधी जी ने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने नागरिकों को सशक्त किया, राष्ट्र को सुरक्षित किया और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने से लेकर तीन तलाक के खिलाफ कानून तक–सरकार के ऐतिहासिक निर्णयों ने भारतीय लोकतंत्र को मजबूती दी है।

भाजपा जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह ने भी अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्षों ने भारत की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली है। गरीब, किसान, महिला, युवा, अनुसूचित जनजातियों और पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का जो कार्य हुआ है, वह अभूतपूर्व है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे मोदी जी के मार्गदर्शन में देश 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।

पूर्व विधायक संजीव शाह एवं जिला उपाध्यक्ष रमेश हीडामे ने भी मोदी सरकार की 11 वर्षों की कार्यशैली, पारदर्शिता, जवाबदेही और देशहित में लिए गए कठोर लेकिन दूरदर्शी फैसलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह 11 वर्ष सिर्फ सरकार के नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन के रूप में उभरे परिवर्तन के वर्ष रहे हैं। इस अवसर पर एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें इन 11 वर्षों की जनकल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्रीय उपलब्धियों, अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत के सम्मान और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की झलक चित्रों और आँकड़ों के माध्यम से दिखाई गई। यह प्रदर्शनी जनमानस के बीच अत्यधिक सराही गई।

यह आयोजन न केवल सरकार की नीतियों को आम जनता तक पहुँचाने का माध्यम बना, बल्कि एक संवाद का अवसर भी बना जहाँ जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण का संकल्प दोहराया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह 11 वर्ष केवल शासन के नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के रहे हैं। आने वाला समय भी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र से भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में अग्रसर करेगा। इस कार्यक्रम में भोजेश शाह जिला पंचायत उपाध्यक्ष, दिलीप वर्मा जिला भाजपा महामंत्री, अनिल गुप्ता सहसंयोजक संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम, लखन कलामे जिला पंचायत सदस्य, नेहरू रजक जिला पंचायत सदस्य, पवन गुप्ता नगर पंचायत उपाध्यक्ष, अरुण यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य, शिवप्रकाश शर्मा वरिष्ठ कार्यकर्ता भाजपा, संगीता मिश्रा जिला महिला मोर्चा महामंत्री, देवप्रसाद नेताम युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष, मोहन जैन, आशीष द्विवेदी मंडल अध्यक्ष चौकी, संदीप साहू मंडल अध्यक्ष कौड़ीकसा, अमित श्रीवास्तव मंडल अध्यक्ष मोहला, प्रकाश मिश्रा मंडल अध्यक्ष मानपुर, कमल तापड़िया मंडल अध्यक्ष गोटाटोला, मनोज नेताम महामंत्री मंडल मोहला, पूर्व जिला मंत्री राजेश सिंगी, विमल यादव महामंत्री चौकी, खोमन मेश्राम, गजेंद्र मंडावी एवं समस्त भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पहला कॉलम...

तीन माह से अधिक हो जाने के बाद भी नहीं मिला मनरेगा कर्मियों का वेतन

छुरिया (दावा)। हर हाथ को काम देने वाले मनरेगा कर्मियों को तीन माह अधिक हो जाने के बाद भी वेतन नहीं दिया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनांतर्गत मनरेगा कर्मी कार्यरत है।

वेतन भुगतान हेतु राशि आंबटन अप्राप्त होने के कारण मनरेगा कर्मियों को 3 माह से वेतन अप्राप्त है। जिसके कारण न केवल कार्यालयीन कार्य अपितु घरेलु आवश्यकताएं जैसे बच्चों की स्कूल फीस, मकान का किराया एवं रोजमर्रा की जरूरते पूरी करने में विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर मनरेगा संघ द्वारा मनरेगा कर्मी को हर माह वेतन देने के संबंध में पूर्व में ही उच्च अधिकारियों को अवगत किया जा चुका है। इसके बावजूद भी समस्या थमने का नाम नहीं ले रही है। मनरेगा विभाग के अंतर्गत मनरेगा प्रभारी कार्यक्रम अधिकारी, प्रोग्रामर, लेखापाल, सहायक ग्रेड-3, कंप्यूटर ऑपरेटर, भृत्य, ग्राम रोजगार सहायक सहित अन्य पदों पर अधिकारी कर्मचारी कार्यरत हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार गारंटी के कार्य से लेकर जनपद एवं जिला स्तर पर कार्यों का संपादन एवं देखरेख करते आ रहें हैं। अतः मनरेगा कर्मी को हर माह 1 से 5 तारीख वेतन भुगतान की कार्यवाही की जावे। जिससे की मनरेगा कर्मी को जीवन यापन करने में दिक्कतों का सामना करना न पड़े।

आयुष ग्राम अर्जुनी में निःशुल्क एनसीडी कैम्प एवं जनजागरूकता शिविर का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। आयुष विभाग द्वारा डोंगरगांव विकासखंड के आयुष ग्राम अर्जुनी में राष्ट्रीय गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत निःशुल्क एनसीडी कैम्प एवं जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 69 रोगी लाभान्वित हुए। जिसमें 51 रोगियों की ब्लड प्रेशर एवं मधुमेह की जांच की गई एवं आहार-विहार की जानकारी दी गई। शिविर में उपस्थित ग्रामीणजनों को गैर संक्रामक रोगों के कारण, लक्षण एवं बचाव के बारे में तथा योग, प्राणायाम, दिनचर्या एवं ऋतुचर्या पालन के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई और औषधि का वितरण किया गया। शिविर में आयुष चिकित्सक डॉ. अनमोल गुप्ता, आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. मधु बंछोर, योग चिकित्सक डॉ. स्नेहा देशमुख, फॉर्मासिस्ट सुनील अग्रवाल, औषधालय सेवक दुजलाल कुंजाम, पीटीएस छबीलाल यादव उपस्थित थे।

पांच बेटियों ने मिलकर दिया पिता की अर्थी को कंधा, सामाजिक मान्यताओं और रुढ़ियों से अलग होकर किया अंतिम संस्कार

खैरागढ़ (दावा)। यह एक सामाजिक मान्यता है की पिता की चिता को मुखाग्नि और अंतिम संस्कार की पूरी रस्मों रवायत का अधिकार सिर्फ बेटों को ही रहा है लेकिन खैरागढ़ की यादव समाज की पांच बेटियों ने पिता की असमय मृत्यु के बाद पहले मिलकर अपने पिता की अर्थी को कंधा दिया और फिर सामाजिक मान्यताओं और रूढ़ियों से विलग अपने पिता का अंतिम संस्कार भी किया।

खैरागढ़ में बेटियों ने निभाया बेटे का धर्म

दरअसल कुम्हारपारा के रहने वाले राजेश यादव हाईस्कूल जोरातराई में लिपिक के पद पर कार्यरत थे। जिनकी तबियत अचानक खराब होने के बाद परिजनों ने उन्हें भिलाई स्थित एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान बुधवार 11 जून को उनका निधन हो गया। राजेश यादव का अंतिम संस्कार किल्लापारा स्थित मुक्तिधाम में किया गया। राजेश की 5 बेटियों ने आंखों से छलक रहे आंसुओं के बीच अपने पिता का अंतिम संस्कार किया और साबित कर दिया कि आज के नये दौर में बेटा और बेटी में कोई फर्क नहीं होता। बेटियों को अपने पिता को मुखाग्नि देते देखकर वहां मौजूद लोगों की भी आंखे नम हो गई।

युक्तियुक्तकरण के विरोध में ब्लाक कांग्रेस पार्टी के द्वारा ब्लाक शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव

खैरागढ़ (दावा)। प्रदेश सरकार के द्वारा राज्य में सरकारी स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण कर 10 हजार 4 सौ 63 स्कूलों की संख्या कम किये जाने और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण और उसमें भारी अनियमितता के विरोध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश में सभी जिलों और ब्लाकों में चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जा रहा है, उसी कड़ी में गुरुवार को ब्लाक कांग्रेस कमेटी के द्वारा खैरागढ़ विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव किया गया। जिसमें क्षेत्रीय विधायक, कांग्रेस संगठन के तीनों ब्लॉक के पदाधिकारी और संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय घेराव करने पर ब्लाक शिक्षा अधिकारी की अनुपस्थिति में एबीओ किशोर लाल अमेला और तहसीलदार आशीष व्योहारे को विधायक और संगठन द्वारा राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा, जिला उपाध्यक्ष उतम सिंह ठाकुर, पीसीसी सदस्य निलांबर वर्मा, खैरागढ़ ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष आकाशदीप सिंह गोल्डी, मुढ़ीपार ब्लॉक अध्यक्ष कोमल दास साहू, शहर अध्यक्ष भीखम छाजेड़, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष आरती महोबिया, नगर पालिका उपाध्यक्ष अब्दुल रज्जाक खान, विप्लव साहू, गेंदलाल कुर्रे, पुरुषोत्तम वर्मा, दीपक देवांगन दयाराम पटेल, शत्रुघन घृतलहरे, दिलीप लहरे, संदीप सिरमौर, गौतम चंद जैन, यतेंद्र जीत सिंह, पारस साहू, कोमल वर्मा, देवकांत यदु, चंद्रेश यादव, रिंकू गुप्ता, शुभम वर्मा, हिमाचल राजपूत, प्रसाद वर्मा, घनश्याम साहू, बलदेव वर्मा, विक्की क्षत्रिय, घसिया यादव, मुकेश श्रीवास्तव, राधे वर्मा, भागवत साहू सहित दर्जनों की संख्या में संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने भाजपा तेरी तानाशाही नहीं चलेगी, युक्ति युक्त कारण वापस लो वापस लो, शिक्षा व्यवस्था दूर करो दूर करो आदि नारे लगाए। मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के विरोध में भी नारे लगाए। कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए। ब्लाक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी और बाहर बैरीकेडिंग भी किया गया था।

शिक्षा को नई दिशा- जिले में 148 शिक्षकों की पुनः पदस्थापना, अब नहीं रहेगा कोई स्कूल शिक्षकविहीन

खैरागढ़(दावा)। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी युक्तियुक्तकरण नीति के अंतर्गत खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में 148 अतिशेष शिक्षकों की पुनः पदस्थापना की गई है। यह कदम जिले की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

इस पुनः पदस्थापन प्रक्रिया के माध्यम से जिले की 5 पूर्णतः शिक्षकविहीन शालाएं, 90 एकल शिक्षक शालाएं, 2 पूर्व माध्यमिक विद्यालय तथा 2 हाईस्कूलों में रिक्त पदों की पूर्ति की गई है। इसके फलस्वरूप अब जिले का कोई भी विद्यालय शिक्षकविहीन या केवल एक शिक्षक पर निर्भर नहीं रहेगा। 148 शिक्षकों की तैनाती में 98 सहायक शिक्षक, 21 व्याख्याता, 8 विज्ञान संकाय शिक्षक, 2 प्रधान पाठक (प्राथमिक),19 अन्य शिक्षक शामिल है। इस नीति के क्रियान्वयन से ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों को भी विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। साथ ही शिक्षकों पर कार्यभार संतुलित होगा, जिससे वे शिक्षण में अपना श्रेष्ठ योगदान दे सकेंगे। अभिभावकों और ग्रामवासियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए, कहा कि अब उनके बच्चों को नियमित शिक्षक मिलेंगे और पढ़ाई की गुणवत्ता में सुधार आएगा। शिक्षा विभाग की यह पहल शासन की 'सर्व शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा' की सोच को धरातल पर साकार करती है। यह कदम केवल शिक्षकों की पुनः पदस्थापना नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण की नींव को मजबूत करने की दिशा में एक ठोस और दूरगामी प्रयास है।

कांग्रेसियों ने डोंगरगांव बीईओ कार्यालय का किया घेराव

डोंगरगांव (दावा)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी डोंगरगांव द्वारा युक्तियुक्तकरण के खिलाफ अपनी चिंता और विरोध जताते बुधवार को रैली निकाली और बीईओ कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने राज्य सरकार व शिक्षा विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर कांग्रेसियों ने डोंगरगांव के पुराना बस स्टैंड में एकत्रित होकर पैदल मार्च करते बीईओ कार्यालय पहुंचे। इससे पहले कांग्रेसियों ने सभा का भी आयोजन किया।

युक्तियुक्तकरण के खिलाफ रैली निकाल कर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

सभा को संबोधित करते आंदोलन प्रभारी रमेश खंडेलवाल ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षकों व बेरोजगारों के साथ अन्याय कर रही है। शिक्षकों का दूरदराज स्थानांतरण, भर्ती के लिए घोषणा पत्र व नया विज्ञापन जारी नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय थोक में शिक्षकों की भर्ती की गई। वहीं किसी भी शिक्षक का प्रशासनिक बलपूर्वक स्थानांतरण नहीं किया गया। इसके अलावा अन्य वक्ताओं ने युक्तियुक्तकरण को शिक्षकों, बच्चों और आमजनता के विरूद्ध बताते इस नीति की जमकर आलोचना की। वक्ताओं ने कहा कि इस नीति के नाम पर सरकर ने कई महत्वपूर्ण सरकारी सेवाओं को प्रभावित किया है, जो आम जनता के लिए फायदेमंद थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की यह नीति न सिर्फ कर्मचारियों के हितों को नजर अंदाज करने वाली है, वरन यह सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच को घटाने का काम करेगी। तत्पश्चात कांग्रेसियों ने बीईओ कार्यालय घेराव के साथ वहां उपस्थित नायब तहसीलदार झरना राजपूत को राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि युक्तियुक्तकरण नीति की प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी है और यह कर्मचारियों के रोजगार सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है। इस नीति को लागू करने से पहले कर्मचारियों, नागरिकों और विशेषज्ञों से व्यापक विचार-विमर्श नहीं किया गया। ज्ञापन सौंपने के दौरान आंदोलन प्रभारी रमेश खंडेलवाल, जिपं सदस्य विभा साहू, कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष गणेश साहू, बिरेन्द्र बोरकर, टिकेश साहू, सुयश नाहटा, बलीराम साहू, अखिलेश नखत, संजय संचेती, डॉ. नरेन्द्र साहू, रोशन यदु, विकास गोस्वामी, बिसंभर साहू, संतोष ठाकुर, संध्या साहू, श्रुत शुक्ला, गीता सलामे, पुष्पदेवी यदु, वैशाली बोरकर, लोकेश सिन्हा, सतीश वैष्णव, प्रियंक जैन, राकेश साहू, रितेश राजपूत, अमित ठाकुर, किशोर बनाफर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान : ग्राम सांकरा एवं ईरा में विकसित कृषि संकल्प अभियान का किया गया आयोजन

17 प्रतिशत नमक घोल से बीज उपचार एवं आगामी खरीफ सीजन की तैयारी हेतु कृषकों को दी गई जानकारी

किसानों को फसल चक्र परिवर्तन को अपनाने से होने वाले फायदे के बारे में बताया गया

उन्नत कृषि तकनीक, आधुनिक कृषि उपकरणों, केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

राजनांदगांव (दावा)। विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम साकरा एवं ईरा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को कृषि विभाग, पशुपालन विभाग एवं उद्यान विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र सुरगी के वैज्ञानिकों द्वारा बीज उत्पादन, 17 प्रतिशत नमक घोल से बीज उपचार एवं आगामी खरीफ सीजन की तैयारी हेतु कृषकों को विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि नागेश्वर लाल पाण्डेय, सरपंच, पंच, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं कृषकगण उपस्थित थे।

शिविर में किसानों को जानकारी देते हुए बताया गया कि प्राकृतिक खेती में फसलों के पोषक तत्व की आपूर्ति हेतु जीवाणु खाद फसल अवशेष और प्रकृति में उपलब्ध खनिज जैसे रॉक फास्फेट का उपयोग किये जाते हैं। इनके खेत में उपयोग से मिट्टी में पोषक तत्वों की वृद्धि के साथ-साथ जैविक गतिविधियों का विस्तार होता है। प्राकृतिक खेती में बीजामृत, घनजीवामृत, जीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्नि अस्त्र, दशपर्णी अर्क का उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही जैविक खेती में जैव उर्वरक अंतर्गत नील हरित काई, राइजोबियम कल्चर, एजोस्पाइरिलम, एजोटोबैक्टर, स्पूर घोलक जीवाणु (पीएसबी), कचरा अपघटक का उपयोग किया जाता है। किसानों को पोषक तत्वों से भरपूर लघु धान्य फसलों के बढ़ती मांग को देखते हुए रागी, कोदो, कुटकी की फसलों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया गया। किसानों को बताया गया कि आधुनिक जीवन शैली में बीमारियों मधुमेह, अल्सर, ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमरियों को रोकने के लिए लघु धान्य फसल पौष्टिक एवं गुणकारी है। किसानों को धान के बदले अन्य फसल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। फसल चक्र परिवर्तन को अपनाने से होने वाले फायदे के संबंध में बताया गया। फसल चक्र परिवर्तन से खरपतवारों का नियंत्रण आसानी से हो जाता है। वहीं कीटों का प्रकोप भी कम होता है। विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत मृदा परीक्षण के फायदों के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि किसानों को अपने खेतों का मृदा का परीक्षण अवश्य कराना चाहिए। इससे मृदा में पोषक तत्वों की कमी को देखते हुए आवश्यकता अनुसार उर्वरक का उपयोग करने से फसल उत्पादकता में वृद्धि होगी। किसानों को फसलों में पौध संरक्षण के संबंध में समुचित जानकारी देते हुए रसायनों का उचित प्रयोग करने के लिए बताया गया। उन्नत कृषि तकनीक, आधुनिक कृषि उपकरणों, केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

पुलिस ने नाबालिक बालिका को किया उड़ीसा से बरामद

डोंगरगढ़ (दावा)। पुलिस ने नाबालिक बालिका को उडीसा ग्राम बन्धागांव जिला कालाहाडी से बरामद किया। आरोपी तुलसीदीप के विरूद्ध पाक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि, दिनांक 10 मई 2025 को ग्राम छोटे कुसमी से नवबालिक बालिका घर में बिना बताये कहीं चली गई है। जिसे किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर अपहरण कर ले गया है कि रिपोर्ट पर धारा-137(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण के अपहृता एवं अज्ञात आरोपी के पता तलाश एवं विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग एवं अति पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगढ़ आशिष कुंजाम से दिशा-निर्देश प्राप्त कर तत्काल निरीक्षक जितेन्द्र वर्मा द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुये टीम तैयार कर अपहृता एवं अज्ञात आरोपी के पता तलाश में जुट गये। पतासाजी के दौरान तकनिकी सहयोग से अपहृत बालिका का पता उडीसा ग्राम बन्धागांव जिला कालाहाडी में पता चलने से तत्काल एक टीम तैयार कर परिजन के साथ रवाना किया गया। जहां उडीसा पुलिस के साथ उडीसा ग्राम बन्धागांव जिला कालाहाडी में अपहृता का पता तलाश किया गया, जहां आरोपी तुलसीदीप पिता अठावनदीप उम्र 24 निवासी ग्राम बन्धागांव जिला कालाहाडी उडीसा के कब्जे से बरामद किया गया।

आरोपी तुलसी दीप के विरूद्ध पाक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

पीड़ित बालिका के कथन में आरोपी ने शारीरिक संबंध बनाया हैं। प्रकरण में आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमाक-210/2025 धारा-137(2) 64(2) (उ) बीएनस 4,6 पाक्सो एक्ट कायम कर आरोपी को ज्युडिशियल रिमांड पर भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक जितेन्द्र वर्मा, उपनिरीक्षक भूषण चंद्राकर, उपनिरीक्षक रामेश्वरी बघेल, सउनि मुजिब रहमान कुरैशी, आरक्षक किशन कुमार चन्द्रा एवं उड़ीसा पुलिस का विशेष योगदान रहा है।

पहला कॉलम...

3000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर लगेगा चार्ज?

मुंबई। आज पेटीएम के शेयरों में 10 फीसदी से अधिक की गिरावट आई. वित्त मंत्रालय के स्पष्टीकरण जारी किए जाने के बाद शेयरों में गिरावट दर्ज की गई. वित्त मंत्रालय की ओर से स्पष्टीकरण में कहा गया है कि यूपीआई लेनदेन पर कोई मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) नहीं लिया जाएगा. फिनटेक कंपनी के शेयर 864 रुपये पर कारोबार कर रहे थे और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स पर टॉप लूजर के रूप में उभरे. वित्त मंत्रालय का स्पष्टीकरण उन रिपोर्टों के बाद आया है जिनमें कहा गया था कि सरकार बैंकों और भुगतान समाधान प्रोवाइडर की सहायता के लिए 3,000 रुपये और उससे अधिक मूल्य के लेनदेन पर एमडीआर लागू करने की योजना बना रही है. रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया था कि सरकार लेंडर को मर्चेंट टर्नओवर के बजाय लेनदेन मूल्य पर एमडीआर लगाने की अनुमति दे सकती है. रिपोर्ट सामने आने के बाद पेटीएम के शेयर तीन महीने के उच्चतम स्तर 978 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए थे. एमडीआर एक शुल्क है जो बैंक वास्तविक समय में भुगतान संसाधित करने के लिए व्यापारियों से लेते हैं. इससे पहले, व्यापारियों से कार्ड भुगतान पर कुल लेनदेन मूल्य का 1 फीसदी एमडीआर शुल्क लिया जाता था. बाद में 2020 में सरकार ने देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एमडीआर शुल्क माफ कर दिया.

पीएम किसान की 20वीं किस्त 20 को

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की 20वीं किस्त इसी महीने जारी किए जाने की उम्मीद है. इस साल के लिए इस योजना की दूसरी किस्त 20 जून को 9.8 करोड़ पात्र किसानों के बैंक खातों में जमा की जाएगी.

भारत सरकार और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम-किसान) शुरू की है, जिसके तहत भारत के प्रत्येक पात्र किसान को 6,000 रुपये की वार्षिक सब्सिडी मिलेगी, जो हर चार महीने में 2,000 रुपये के तीन बराबर भुगतानों में दी जाएगी. लेटेस्ट घोषणा में भारत सरकार ने अधिसूचित और अनिवार्य किया है कि केवल वे किसान ही पीएम-किसान सम्मान निधि योजना के लाभ के लिए पात्र होंगे जिन्होंने रजिस्ट्रेशन प्रोसस पूरी कर ली है. 20वीं किस्त प्राप्त करने के लिए किसान किसान रजिस्ट्री यूपी मोबाइल ऐप, आधिकारिक पीएम किसान वेबसाइट या किसी भी सार्वजनिक सेवा सुविधा पर जाकर रजिस्ट्रेशन प्रोसस पूरी कर सकते हैं.

पाकिस्तान में भूकंप के झटकों से फिर डोली धरती, दहशत में घरों से बाहर निकले लोग

पेशावर। पाकिस्तान के पेशावर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। पेशावर के निवासियों को हल्के भूकंप के झटके महसूस हुए, भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.7 मापी गई। जियो न्यूज ने भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से बताया कि बुधवार को पेशावर के निवासियों को हल्के भूकंप से झटका लगा, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.7 मापी गई। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदू कुश पर्वत में 211 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। भूकंप के बाद तत्काल किसी नुकसान या हताहत की कोई जानकारी नहीं मिली है।

यह भूकंप इस्लामाबाद और मर्दन, स्वात, नौशेरा, स्वाबी और उत्तरी वजीरिस्तान सहित खैबर पख्तूनख्वा के कुछ हिस्सों में आए 5.3 तीव्रता के भूकंप के लगभग एक महीने बाद आया है। जियो न्यूज ने बताया कि उस भूकंप का केंद्र भी हिंदू कुश क्षेत्र में 230 किलोमीटर की गहराई पर था, जिसका निर्देशांक 36.63 एन और देशांतर 71.13 ई दर्ज किया गया था। इससे पहले अप्रैल में, पाकिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों में दो और भूकंप आए थे।

शेयर बाजार, सेंसेक्स 56 अंक ऊपर, निफ्टी 25,164 पर

मुंबई। कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन शेयर बाजार सपाट पर खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 56 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,571.67 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.09 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,164.45 पर खुला. जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर गुरुवार को सुर्खियों में रहने की संभावना है, क्योंकि ब्लैकरॉक के साथ इसके संयुक्त उद्यम को भारत में निवेश सलाहकार परिचालन शुरू करने के लिए नियामक मंजूरी मिल गई है. अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे बढ़कर 85.46 पर पहुंचा. कारोबारी सप्ताह के तीसरे दिन शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ.

बीएसई पर सेंसेक्स 123 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,515.14 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.15 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,141.40 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि पावर ग्रिड कॉर्प, अडाणी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस के शेयर टॉप लूजर के लिस्ट में शामिल रहे. बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.5 फीसदी की गिरावट आई. क्षेत्रीय मोर्चे पर, एफएमसीजी, पावर, पीएसयू बैंक 0.5-1 फीसदी नीचे रहे, जबकि तेल एवं गैस, फार्मा, आईटी 0.5-1.2 फीसदी ऊपर रहे.

आज मेजर लीग क्रिकेट 2025 की धमाकेदार शुरुआत

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2025 की शुरुआत 13 जून से होगी और इसका फाइनल मुकाबला 14 जून को होगा। ये रूरुष्ट का कुल तीसरा सीजन होगा और इस बार लीग में कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी। सीजन शुरू होने से पहले ही कई टीमों ने अपने कप्तानों को बदला है। इनमें एमआई न्यूयॉर्क, एलए नाइट राइडर्स और वॉशिंगटन फ्रीडम की टीमें शामिल हैं।

हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने वाले निकोलस पूरन को एमआई न्यूयॉर्क की कमान मिली है। लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स के कप्तान जेसन होल्डर हैं। वहीं वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल वॉशिंगटन फ्रीडम के कैप्टन बने हैं। पहले वॉशिंगटन फ्रीडम के कप्तान स्टीव स्मिथ थे, लेकिन वह पूरे सीजन के लिए उपलब्ध नहीं थे। इसी वजह से टीम को कप्तान बदलना पड़ा।

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के कप्तान कोरी एंडरसन हैं। वहीं सिएटल ओर्कास की कमान हेनरिक क्लासेन को मिली है। जब टेक्सास सुपर किंग्स की कप्तानी अनुभवी बल्लेबाज फॉफ डु प्लेसिस करते हुए नजर आएंगे। वह आईपीएल और साउथ अफ्रीकी टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं। ग्लेन मैक्सवेल (कप्तान), स्टीव स्मिथ, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, मुख्तार अहमद, लाहिरू मिलंथा, एंड्रीज गौस, बेन सियर्स, लॉकी फर्ग्यूसन, जेसन बेहरेंड्रॉफ, सौरभ नेत्रवलकर, यासिर मोहम्मद, अमिला अपोंसो, अभिषेक, जस्टिन डिल, ओबस पीनार, जैक एडवर्ड्स, आईएम हॉलैंड, मिशेल ओवेन। निकोलस पूरन (कप्तान), कीरोन पोलार्ड, क्विंटन डी कॉक, , मोनक पटेल, हीथ रिचर्ड्स, शरद लुंबा, अग्नि चोपड़ा, कुम्वरजीत सिंह, ट्रेंट बोल्ट, एहसान आदिल, नोस्टुश केनजिगे, नवीन उल हक, रुशिल उगरकर, माइकल ब्रेसवेल, जॉर्ज लिंडे, सनी पटेल, तजिंदर सिंह जेसन होल्डर (कप्तान), सुनील नरेन, एलेक्स हेल्स, सईद बदर, नितीश कुमार, रोवमैन पॉवेल, उन्मुक्त चंद, आंद्रे फ्लेचर, शेरफेन रदरफोर्ड, अदिथिया गणेश, कॉर्न ड्राई, एनरिक नॉर्टजे, अली खान, तनवीर सांघा, आंद्रे रसेल, शैडली वैन शल्कविक, कार्तिक गट्टेपल्ली, मैथ्यू ट्रॉम्प फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), डेरिल मिचेल, डेवोन कॉन्वे, केल्विन सैवेज, सैतेजा मुक्कमल्ला, जोशुआ ट्रॉम्प, एडम खान, एडम मिल्ने, नूर अहमद, जिया उल हक मुहम्मद, मार्कस स्टोइनिस, मिलिंद कुमार, मोहम्मद मोहसिन, शुभम रंजने।

मिचेल स्टार्क बने ICC फाइनल के नए बादशाह

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने WTC फाइनल में गेंद से बड़ा कारनामा कर दिया है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 में पहले ही दिन 2 विकेट झटकते ही स्टार्क ICC टूर्नामेंट फाइनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने भारत के धाकड़ गेंदबाज मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 212 रन पर समेटने के बाद जब साउथ अफ्रीका की सलामी जोड़ी पारी का आगाज करने उतरी तो किसी ने भी नहीं सोचा होगा कि मिचेल स्टार्क पहले ही ओवर में विकेट चटकाने का कमाल कर देंगे।

ऑस्ट्रेलिया की ओर गेंदबाजी का आगाज करते हुए मिचेल स्टार्क ने पहले ही ओवर की छठी गेंद पर एडन मारक्रम को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। मारक्रम अपना खाता भी नहीं खोल पाए। इसके कुछ देर बाद ही स्टार्क ने सलामी बल्लेबाज रायन रिकलटन को भी अपना शिकार बना लिया। स्टार्क ने अपने 5वें ओवर में रिकलटन को 16 रन के निजी स्कोर पर आउट किया। इस तरह स्टार्क ICC फाइनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। अब तक मोहम्मद शमी के नाम ICC टूर्नामेंट फाइनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड था। लेकिन स्टार्क ने उन्हें पीछे छोड़ते हुए यह कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। उन्होंने WTC 2025 फाइनल में साउथ अफ्रीका की पहली पारी में 2 अहम विकेट चटकाकर यह मुकाम हासिल किया।

जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम पर जीत के साथ यूरोप दौरे में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। बेल्जियम के एंटवर्प में हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिजके प्लीन में खेले गए मैच में भारत ने बेल्जियम को 2-1 से हराया। भारत के लिए लालथंतलुंगी (35%) और गीता यादव (50%) ने गोल किए। पहला हाफ गोल रहित रहा क्योंकि दोनों टीमें कड़ी टक्कर में गतिरोध को तोड़ने में कामयाब नहीं हो सकीं। 35वें मिनट में भारत ने आखिरकार पहला गोल किया, जब लालथंतलुंगी ने एक भाग्यशाली पेनल्टी स्ट्रोक को सफलतापूर्वक गोल में बदला। आखिरी क्वार्टर में वैन हेलेमोंट (48%) ने बेल्जियम के लिए फील्ड गोल करके बराबरी का गोल किया।

हालांकि, इसके ठीक दो मिनट बाद गीता यादव ने खुद फील्ड गोल करके भारत के लिए विजयी गोल किया।

भारत ने खेल के अंतिम 10 मिनट में बेल्जियम के हमलों को नाकाम करने के लिए अच्छा बचाव किया और सुनिश्चित किया कि उन्होंने बेल्जियम पर एक और जीत का आनंद लिया। अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूर्नामेंट में आशाजनक प्रदर्शन को समेटने के बाद, भारतीय टीम अब पांच मैचों के दौरे के लिए यूरोप पहुंच गई है, जहां उन्होंने रविवार को बेल्जियम के खिलाफ शानदार जीत के साथ अपने यूरोप दौरे की शुरुआत की।

भारतीय पक्ष ने हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलिज्के प्लीन में 3-2 से गेम जीता। लगातार दो जीत के बाद, भारतीय जूनियर महिलाएं 12 जून को अपने यूरोप दौरे में तीसरी और अंतिम बार बेल्जियम से खेलेंगी। अर्जेंटीना में, भारतीय पक्ष ने गुणवत्ता वाले विरोध के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन किया। उन्होंने चिली के खिलाफ 2-1 से जीत और 2-2 (2-3 SO) हार दर्ज की।

तिलक वर्मा को बीसीसीआई से मिली हरी झंडी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा काउंटी चैंपियनशिप के क्लब हैम्पशायर के साथ एक करार किया है, जिसके तहत वह जून और जुलाई में इस क्लब के लिए काउंटी चैंपियनशिप के चार मैच खेलेंगे। 22 साल के तिलक विस्फोटक बल्लेबाजी करते हैं और मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए प्रभावित कर चुके हैं। हैम्पशायर से भारतीय बल्लेबाज के जुड़ने से उनके बल्लेबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई और हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने उन्हें एनओसी दे दी है। वह 18 जून से 2 अगस्त तक इंग्लिश काउंटी में खेलेंगे। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने तिलक के काउंटी चैंपियनशिप में उनके बेहतरीन कार्यकाल की कामना की है। वहीं तिलक टी20 ब्लास्ट लीग में खेलने के लिए पात्र नहीं होंगे, क्योंकि बीसीसीआई विदेशी लीग में खेलने की अनुमति भारतीय प्लेयर्स को नहीं देता है।

तिलक वर्मा ने भारतीय टीम के लिए साल 2023 में डेब्यू किया था। उन्होंने अभी तक टीम इंडिया के लिए 4 वनडे मैचों में कुल 68 रन और 25 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 749 रन बनाए हैं।

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष बने श्रीनिवास मुक्कमला

नई दिल्ली। भारतीय मूल के श्रीनिवास मुक्कमला ने अमेरिका में इतिहास रच दिया है। श्रीनिवास अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (एएमए) के अध्यक्ष बन गए हैं, जो संगठन के 178 साल के इतिहास में भारतीय मूल के पहले ऐसे चिकित्सक बने।

मुक्कमला की नियुक्ति 8 सेमी के ब्रेन ट्यूमर को हटवाने के लिए सर्जरी के कुछ ही महीनों बाद हुई है। उन्होंने कहा कि जब मैं मेयो क्लिनिक में ब्रेन सर्जरी से उबरने के लिए लेटा था, ट्यूब और तारे मेरी हर हरकत पर नजर रख रहे थे, तो यह रात, यह सम्मान और स्वास्थ्य सेवा में सुधार का यह अवसर एक बहुत दूर का सपना लग रहा था। हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बहुत बड़ी खामियां हैं, जिन पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है।

भारतीय टीम की हार का सिलसिला जारी, अर्जेंटीना से मिली तीसरी शिकस्त

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का यूरोपीय दौरा अब तक बेहद निराशाजनक रहा है। 11 जून को एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में टीम इंडिया को अर्जेंटीना के हाथों 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। यह इस दौरे पर भारत की लगातार तीसरी हार है। इससे पहले टीम को मेज़बान नीदरलैंड के खिलाफ लगातार दो मैचों में शिकस्त झेलनी पड़ी थी। मैच की शुरुआत से ही अर्जेंटीना ने आक्रामक तेवर अपनाए और तीसरे मिनट में कप्तान मटियास रे ने गोल दागकर टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। भारतीय डिफेंडर अमित रोहिदास की गलती अर्जेंटीना के पहले गोल की वजह बनी। हालांकि इसके बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 12वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करते हुए स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही लुकास मार्टिनेज ने गोल कर अर्जेंटीना को एक बार फिर बढ़त दिला दी। इस गोल में भी भारतीय डिफेंस की चूक सामने आई। हालांकि, मध्यांतर के बाद 33वें मिनट में हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर अपना दूसरा गोल करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। लेकिन अगली ही मिनट अर्जेंटीना ने वापसी कर ली, जब सैंटियागो तराजोना ने तीसरा गोल कर टीम को फिर आगे कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने आक्रामक खेल दिखाया। 42वें मिनट में अभिषेक ने रिबाउंड पर गोल कर मुकाबले को 3-3 की बराबरी पर ला खड़ा किया। लेकिन अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में ही लुसियो मेंडेज ने गोल कर अर्जेंटीना को निर्णायक बढ़त दिला दी। भारत को 55वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन टीम इस मौके को भुना नहीं सकी।

इस हार के साथ ही भारत की लगातार तीसरी हार दर्ज हुई। इससे पहले टीम नीदरलैंड से 1-2 और 2-3 से हार चुकी थी। अर्जेंटीना के खिलाफ मिली इस हार में एक बार फिर भारतीय डिफेंस की कमजोरी उजागर हुई। भारतीय टीम अब अपना अगला मुकाबला 12 जून को एक बार फिर अर्जेंटीना के खिलाफ खेलेगी।

डब्ल्यूटीसी प्रजनन प्रोसेस के दौरान प्लेयर्स की रैंकिंग होगी सुरक्षित

नई दिल्ली। महिलाओं के लिए किसी भी फील्ड में करियर बनाना आसान नहीं होता है। उन्हें कई तरह की चुनौतियों से गुजरना पड़ता है। जब कोई महिला प्लेयर प्रजनन प्रोसेस गुजरती है, तो उसके करियर पर प्रभाव पड़ता है। लेकिन अब वुमेंस टेनिस एसोसिएशन ने एक बड़ा कदम उठाया, जिससे WTC रैंकिंग में टॉप-750 महिला प्लेयर्स को राहत मिलेगी। WTC के मुताबिक जो भी महिला खिलाड़ी प्रजनन प्रोसेस से गुजरना चाहेंगे। उन्हें खेल से कुछ समय के लिए दूर रहने और सुरक्षित रैंकिंग के साथ वापसी करने का मौका दिया जाएगा। WTC ने एक बयान में कहा कि खिलाड़ी अब प्रजनन सुरक्षा प्रक्रिया जैसे कि एग फ्रीजिंग को करने के लिए प्रोफेशनल टेनिस से कुछ समय के लिए दूर हो सकती हैं।

सस्ता होगा खाद्य तेल, महंगाई से मिलेगी राहत!

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने कच्चे खाद्य तेलों के दामों को लेकर बड़ा ऐलान किया. जानकारी के मुताबिक सरकार ने कच्चे सूरखमुखी, सोयाबीन और पाम ऑयल जैसे कच्चे खाद्य तेलों पर बेसिक सीमा शुल्क को 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी करने को कहा है.

बता दें, खाद्य मंत्रालय ने खाद्य तेल उद्योग संघों को यह आदेश देते हुए कहा कि सरकार के निर्णय के बाद आयात शुल्क में कटौती का लाभ तत्काल उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाए. खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में प्रमुख खाद्य तेल उद्योग संघों और उद्योग हितधारकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें यह आदेश दिया गया.

इस आदेश के बाद से आयात शुल्क का अंतर तकरीबन 8.75 फीसदी से बढ़कर 19.25 फीसदी हो गया है. इस आदेश के बाद से खाद्य तेलों के दामों में बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी. इसका सीधा असर खाना बनाने वाले तेलों के दामों पर पड़ेगा. सरकार का यह फैसला पिछले वर्ष शुल्क वृद्धि के बाद खाद्य तेल की कीमतों में हुई तीव्र वृद्धि की विस्तृत समीक्षा के बाद लिया गया है. इस वृद्धि के चलते उपभोक्ताओं पर मुद्रास्फीति का दबाव काफी बढ़ गया. खुदरा खाद्य तेल की कीमतें बढ़ गईं और खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई. सरकार के इस फैसले से आम जनता को लाभ होगा.

अहमदाबाद प्लेन क्रैश...

छात्रावास के निर्माण में सहायता प्रदान करेंगे। इस विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश....

और परिजनों की सहायता के लिए अस्पताल प्रशासन ने दो हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं. इन नंबरों पर संपर्क करके परिजन घायल यात्रियों की स्थिति और अन्य जरूरी सूचनाएं प्राप्त कर सकते हैं. बता दें कि अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे के बाद लिया गया है, जिसमें 242 लोगों से भरे विमान के बी.जे. मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर्स हॉस्टल पर गिरने से भारी नुकसान हुआ है. जिस विमान का क्रैश हुआ है उसे कैप्टन सुमित सभरवाल चला रहे थे, जबकि उनके साथ फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर थे. सुमित साभरवाल बेहद अनुभवी पायलट थे और उन्हें 8200 घंटे फ्लाइट उड़ाने का अनुभव था. इस हादसे के बाद दिल्ली से अहमदाबाद जाने वाली सभी फ्लाइट्स को रद्द कर दिया गया है. इस घटना के बाद एयर इंडिया का भी बयान सामने आया है जिसमें क्रैश होने वाले विमान में मौजूद यात्रियों के बारे में जानकारी दी गई है. इस विमान में 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश नागरिक, 1 कनाडाई नागरिक और 7 पुर्तगाल के नागरिक सवार थे.

सीएम साय व विस अध्यक्ष डॉ.रमन ने ....

इस हृदयविदारक घटना में जिन परिजनों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर शोकाकुल परिवारों को यह असहनीय पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि गुजरात के अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना का समाचार अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ हैं। प्रभु श्रीराम जी से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें, शोक संतप्त परिवारों को यह असहनीय दुख सहने की शक्ति दें और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

प्रदेश के घर-घर को सहकारिता.....

कराने की एक बड़ी पहल हमने इस वर्ष पंचायती राज दिवस से प्रारंभ की है। प्रदेश के 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र खोले गए हैं, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायत भवन में ही बैंकिंग सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि अगले पंचायती राज दिवस तक यह सुविधा प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में उपलब्ध हो जाएगी, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान सहकारिता के क्षेत्र में हुए बड़े बदलावों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने किसानों को अल्पकालिक ऋण के लिए भारी-भरकम ब्याज दर से मुक्ति दिलाई और ब्याज दरों को लगातार कम कर किसानों को राहत दी। अब किसानों को कृषि कार्यों के लिए बिना किसी ब्याज के अल्पकालिक ऋण उपलब्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री साय ने फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नई शाखा खुलने पर क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि अब किसानों को बैंकिंग सुविधा के लिए 50-60 किलोमीटर दूर पत्थलगांव नहीं जाना पड़ेगा। इस पुनीत पहल के लिए उन्होंने सहकारिता विभाग को साधुवाद दिया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने छत्तीसगढ़

प्रथम पृष्ठ का शेष....

में सहकारिता का बीजारोपण करने वाले महान विभूतियों को पुण्य स्मरण करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में वामनराव लाखे और ठाकुर प्यारेलाल जैसे पुरोधाओं ने सहकारिता की नींव रखी, जिसका विकसित स्वरूप आज हम सभी देख रहे हैं। यह वर्ष सहकारिता का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष है, और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रयासों से निश्चित रूप से इस क्षेत्र में चमत्कारिक परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय के अथक प्रयासों से प्रदेश के किसानों के जीवन में खुशहाली आई है।

पूरे देश में वे पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने प्रति एकड़ 21 क्विंटल और 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय ने सहकारिता को राज्य के अंतिम गांव तक पहुंचाने का कार्य किया है। अपेक्स बैंक प्रदेश में 40 हजार करोड़ रुपए के टर्नओवर के साथ सबसे शक्तिशाली संगठन है और इसके माध्यम से अब तक 7 हजार 5 सौ करोड़ रुपए का ऋण किसानों को उपलब्ध कराया गया है।

डॉ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से देश के हर एक नागरिक को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया और इसी का परिणाम है कि आज बिना किसी बिचौलिए के शत-प्रतिशत राशि सीधे हितग्राहियों के खाते में प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में अभी भी अपार संभावनाएं हैं और शत-प्रतिशत किसानों को सहकारिता और अपेक्स बैंक से जोड़ने का काम शीघ्र पूरा करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में मजगांव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड ने सत्य साई हॉस्पिटल को 2.25 करोड़ रुपए की सहायता राशि सौंपी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में कार्यक्रम में मजगांव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड ने सीएसआर गतिविधियों के तहत राजधानी रायपुर के सत्य साई हृदय चिकित्सालय को 2.25 करोड़ रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री ने इस पुनीत कार्य के लिए मजगांव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

पदभार ग्रहण समारोह में सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, विधायक राजेश मूणत, विधायक अनुज शर्मा, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, विधायक सुनील सोनी, विभिन्न निगम-मंडलों के अध्यक्ष, अपर मुख्य सचिव सहकारिता सुब्रत साहू और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अब कर्मचारियों की कुंडली मोबाइल....

के कारण असुविधाएँ उत्पन्न होती हैं। इन समस्याओं के समाधान हेतु एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप विकसित किया गया है, जो कर्मचारियों को स्वयं लॉगिन कर अपनी जानकारी अपडेट करने की सुविधा देता है। अब सेवा संबंधी जानकारी, नामिनी परिवर्तन, बैंक खाता परिवर्तन आदि के लिए कार्यालय प्रमुख पर निर्भरता नहीं रहेगी, जिससे अनावश्यक विलंब की स्थिति में भी कमी आएगी। स्थानांतरण, वेतन निर्धारण, पदोन्नति और अन्य प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और प्रगति सुनिश्चित होगी। साथ ही सेवा के दौरान और सेवानिवृत्ति उपरांत मिलने वाले लाभ जैसे पेंशन, जीपीएफ, उपादान, अवकाश नगदीकरण आदि प्रकरणों का शीघ्र निराकरण संभव होगा, क्योंकि संबंधित डेटा अद्यतन रहेगा। कर्मचारियों से प्राप्त सेवा संबंधी आवेदनों का निपटारा सक्षम अधिकारी समयबद्ध तरीके से कर सकेंगे। मॉड्यूल के अद्यतन होने से वेतन विसंगति से जुड़ी समस्याएँ कम होंगी। कर्मचारी एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप या वेब एप्लिकेशन पर लॉगइन कर जानकारी स्वयं अपडेट कर सकते हैं। प्रोफाइल अद्यतन की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के उद्देश्य से यह एप और पोर्टल तैयार किया गया है। इसके उपयोग के लिए एसओपी (Standard Operating Procedure) की जानकारी https://ekoshonline.cg.gov.in/Advertisement/sop_karmik_website_merged.pdf में दी गई है। साथ ही, शासकीय कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति उपरांत महालेखाकार कार्यालय में अंतिम जीपीएफ दावा को पूर्णतः ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करने की व्यवस्था भी तैयार की गई है। इससे दावे के निराकरण में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन जीपीएफ क्रेडिट मिसिंग मॉड्यूल भी विकसित किया गया है, जिससे कार्यालय प्रमुख और कर्मचारी सेवा काल के दौरान मिसिंग जीपीएफ एंट्री का ऑनलाइन सुधार कर सकेंगे। मुख्यमंत्री साय का यह स्पष्ट दृष्टिकोण है कि राज्य शासन का प्रत्येक निर्णय आम जन और कर्मचारियों के हित में हो। यह डिजिटल पहल कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा, प्रक्रिया में पारदर्शिता और त्वरित निपटान की दिशा में एक सशक्त कदम है, जो छत्तीसगढ़ को ई-गवर्नेंस की अग्रणी श्रेणी में स्थापित करता है।

क्या होते हैं इंटीग्रेटेड कोर्स?

12वीं की पढ़ाई के बाद हायर एजुकेशन के साथ इंटीग्रेटेड कोर्स भी अच्छा वि?कल्प है. देश की टॉप यूनिवर्सिटीज़ और इंस्टीट्यूट्स जैसे द्बद्बञ्ज, ष्ठ, द्बद्बस्थ्रक्र, छ्वह्र और कई प्राइवेट संस्थान अब ऐसे कोर्सेज़ ऑफर कर रहे हैं जो छात्रों को एक साथ ग्रेजुएशन और पोस्टग्रेजुएशन की डिग्री दिलवाते हैं. लेकिन, ये कोर्स सिर्फ डिग्री तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये एक स्मार्ट और फ्यूचर-रेडी चॉइस भी बनते जा रहे हैं.

क्या होता है इंटीग्रेटेड कोर्स

इंटीग्रेटेड कोर्स एक ऐसा एकेडमिक प्रोग्राम है जिसमें एक साथ ल और द्बद्ग की पढ़ाई कराई जाती है. इस कोर्स को पूरा करने पर छात्र को दोनों डिग्रियां मिलती हैं लेकिन अलग-अलग एंट्रेंस एग्जाम और एडमिशन प्रोसेस से बचा जा सकता है. उदाहरण के तौर पर अगर आप बीए और एमए साथ करना चाहते हैं या बीएससी के साथ एमएससी तो इंटीग्रेटेड कोर्स एक बेहतरीन ऑप्शन है. इसमें आप 12वीं के बाद सीधा एडमिशन लेते हैं और 5 साल में दोनों डिग्रियां पूरी कर सकते हैं.

आज के समय में हर छात्र चाहता है कि उसे जल्दी और बेहतर नौकरी मिले. ऐसे में इंटीग्रेटेड कोर्स समय की बचत करने और इंडस्ट्री के अनुरूप स्किल्स तैयार करने का मौका देते हैं. यही वजह है कि देश-विदेश में इनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है. इसके अलावा, कोविड के बाद से शिक्षा व्यवस्था में कई बदलाव आए हैं. अब स्टूडेंट्स और पैरेंट्स ऐसे कोर्स की तलाश में हैं जो लंबे समय तक स्टेबल करियर देने की गारंटी दे सके. इंटीग्रेटेड प्रोग्राम्स यहां भी फिट बैठते हैं.

इंटीग्रेटेड कोर्स के फायदे

1. सबसे पहला फायदा समय की बचत है. ग्रेजुएशन और पोस्टग्रेजुएशन दोनों अलग-अलग करने में जहां 6 साल लगते हैं, वहीं इंटीग्रेटेड कोर्स में यह 5 या कभी-कभी 4.5 साल में पूरा हो जाता है.

2. अलग से एंट्रेंस की ज़रूरत नहीं होती. एक बार एंट्री मिल गई तो बीच में पोस्टग्रेजुएशन के लिए अलग एग्जाम, आवेदन और प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता.

3. इंडस्ट्री में प्रायोरिटी मितली है. इन कोर्सेज को पूरा करने वाले छात्रों को अक्सर कंपनियां प्राथमिकता देती हैं, क्योंकि उनका एकेडमिक बैकग्राउंड मजबूत और कंटि?नुएशन में होता है.

4. रिसर्च में बूस्ट मिलता है. जिन छात्रों की रुचि रिसर्च और उच्च शिक्षा में है, उनके लिए इंटीग्रेटेड कोर्सेज मजबूत नींव का काम करते हैं.

5. पैसे की बचत भी एक फायदा है. अलग-अलग कोर्सेज करने की तुलना में इंटीग्रेटेड कोर्स टोटल फीस को भी कम कर सकते हैं.

हर बच्चे में छिपा होता है टॉपर

बच्चों को टीचर्स सिर्फ पढ़ाते नहीं है, बल्कि खुद सीखते हैं. कोई भी विषय मुश्किल या आसान नहीं होता है. ये सभी चीजें टीचर पर निर्भर होता है कि उनका पढ़ाने का तरीका कैसा है? यह कहना है नेक्स्ट टॉपर्स के को-फाउंडर और सीईओ दिगराज सिंह, जो स्मार्ट एजुकेशन कॉनक्लेव में मौजूद थे. इस दौरान उन्होंने कहा कि हर बच्चे में टॉपर छिपा होता है. हमें बस अपना नजरिया बदलने की जरूरत है.

नेक्स्ट टॉपर्स के को-फाउंडर दिगराज सिंह ने बताया कि अगर बच्चे को ठीक से पढ़ाना है और उसे कामयाब बनाना है तो ग्रेड से ज्यादा ग्रोथ पर ध्यान देना होगा. वहीं, मार्क्स से ज्यादा माइंडसेट में विश्वास रखना होगा.

इसकी मदद से ही कोई भी बच्चा कामयाब बन पाएगा. उन्होंने कहा कि अगर आपको बच्चों का भविष्य बेहतर करना है तो हमें बच्चों को समझना होगा, न कि उन्हें समझाना होगा. जब मैंने ऑनलाइन सोशल साइंस पढ़ाना शुरू किया, उस वक्त मैथ और साइंस के टीचर्स काफी ज्यादा थे, लेकिन सोशल साइंस का ऑनलाइन टीचर मैं अकेला था. ऐसे में मैं कह सकता हूं कि टीचर किसी विषय को नहीं चुनते हैं, बल्कि सब्जेक्ट उन्हें खुद चुन लेता है.

उन्होंने बताया कि हमारा टारगेट बच्चों को हर हाल में पढ़ाना होता है. हमें पता है कि अगर हम सिर्फ 10 मिनट ही बर्बाद करते हैं तो यह हजारों बच्चों का काफी वक्त बर्बाद कर देगा और इससे देश के लाखों घंटों का नुकसान हो जाएगा. ऐसे में हमारा मकसद शिक्षा को कारोबार की तरह नहीं, बल्कि सेवा की तरह पढ़ाना है.

उन्होंने देश की शिक्षा नीति और एजुकेशन सिस्टम से जुड़े तमाम मसलों पर चर्चा की.

साथ ही, बताया कि सरकार की शिक्षा नीति से बच्चों का भविष्य कैसे उज्ज्वल होगा.

टेक्नोलॉजी से पढ़ाने वालों को फायदा या स्टूडेंट्स को?

मॉडर्न एजुकेशन की बात करें तो तकनीक का जिक्र जरूर होता है. ऐसे में सवाल उठता है कि नई-नई तकनीक से फायदा पढ़ाने वाले संस्थानों का काम आसान हो रहा है या स्टूडेंट्स को ज्यादा फायदा मिल रहा है. इस मसले पर चर्चा के लिए एबीपी लाइव ने सोमवार (9 जून) को एबीपी स्मार्ट एजुकेशन कॉनक्लेव का आयोजन किया. इसमें अड्डा247 के फाउंडर एंड सीईओ अनिल नागर और नेक्स्ट एजुकेशन के को-फाउंडर एंड सीईओ बियास देव रल्हान ने एजुकेशन सेक्टर में तकनीक के फायदे पर चर्चा की.

अनिल नागर ने कहा कि लोगों तक एजुकेशन को पहुंचाने में तकनीक का बहुत बड़ा हाथ है. आज हम अपने प्लेटफॉर्म पर एक साथ लाखों-करोड़ों लोगों को पढ़ा पाते हैं, जिसकी वजह टेक्नोलॉजी ही है. इससे लोगों तक सस्ती एजुकेशन भी पहुंचती है. वहीं, बियास देव रल्हान ने बताया कि पिछले 10-12 साल में टेक्नोलॉजी की मदद से जो सबसे बड़ा बदलाव हुआ है, वह यह है कि टेक्नोलॉजी की मदद से हमें एक ही जगह पर अच्छे टीचर मिल जाते हैं. अगर कोई अंग्रेजी में अच्छी तरह नहीं पढ़ा पा रहा है तो वह यूट्यूब वीडियो की मदद से सीखकर बच्चों को पढ़ा पा रहा है.

तकनीक ने टीचर्स को वह टूल्स दिए हैं, जिनकी मदद से उन्हें खुद को बेहतर बनाने का मौका मिला है. इससे छात्रों का भविष्य भी बेहतर हो रहा है.

बियास देव रल्हान ने बताया कि तकनीक ने तमाम दायरे तोड़ दिए हैं. आप किसी भी जगह पर रहकर इंटरनेट की मदद से अच्छा टीचर मिल जाता है. उनके रिकॉर्डेड अच्छे लेक्चर मौजूद हैं और अच्छी किताबें भी ऑनलाइन मिल रही हैं. इससे टीचर्स का काम वाकई आसान हुआ है, जिससे बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन देना आसान हो गया है. वहीं, अनिल नागर ने बताया कि तकनीक की वजह से प्रतियोगी परीक्षाओं में भी शामिल होने वाले छात्रों की संख्या बढ़ी है. पहले बच्चों के लिए ज्यादा ऑप्शन नहीं थे, लेकिन अब चीजें पहुंच में हैं.

एबीपी न्यूज के एबीपी स्मार्ट एजुकेशन कॉनक्लेव में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, डॉ. रितेश मलिक, एडम्स यूनिवर्सिटी के डॉ. समित राय, नेक्स्ट एजुकेशन के व्यास देव रल्हान, अनिल नागर समेत तमाम एजुकेशन एक्सपर्ट्स शामिल हुए. उन्होंने देश की शिक्षा नीति और एजुकेशन सिस्टम से जुड़े तमाम मसलों पर चर्चा की. साथ ही, बताया कि सरकार की शिक्षा नीति से बच्चों का भविष्य कैसे उज्ज्वल होगा.

छात्रों के लिए रोबोटिक्स और एआई सीखने का मौका

सीबीएसई की ओर से इस संबंध में स्कूलों को एक परिपत्र भेजा गया है। सीबीएसई के अनुसार ऑटोमोटिव उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और अपनी उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुशल कार्यबल की मांग करता है। देश भर के छात्रों के बीच ऑटोमोटिव कौशल को बढ़ावा देने और विकसित करने के उद्देश्य से ही सीबीएसई ऑटोमोटिव कौशल विकास परिषद (एएसडीसी) के सहयोग से राष्ट्रीय ऑटोमोबाइल ओलंपियाड शुरू कर रहा है।

एएसडीसी के अध्यक्ष एफआर सिंघवी ने कहा कि मोबिलिटी इलेक्ट्रिक, कनेक्टेड और ऑटोनॉमस थीम के माध्यम से छात्र मेकाट्रॉनिक्स, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और सस्टेनेबल मोबिलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों से परिचित होंगे। इसके साथ ही वह इन क्षेत्रों में करियर की दिशा में सोच सकेंगे।

कौन-कौन छात्र ले सकते हैं हिस्सा ?

इस ओलंपियाड के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया है। ओलंपियाड तीन स्तरीय होगी। पहले स्तर के तहत छठी से आठवीं के छात्र, दूसरे स्तर में नौवीं व दसवीं व तीसरे स्तर में ग्यारहवीं व बारहवीं के छात्र शामिल होंगे।

क्षेत्रीय स्तर पर प्रतियोगिता अक्टूबर-नवंबर में जबकि राष्ट्रीय स्तर का फाइनल दिसंबर में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होगी, इसमें सभी शिक्षा बोर्ड के छात्र हिस्सा ले सकते हैं।

बोर्ड ने संबद्ध स्कूलों के प्राचार्यों से अनुरोध किया है कि वे अपने छात्रों को राष्ट्रीय ऑटोमोबाइल ओलंपियाड में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करें और छात्रों को ऑटोमोटिव क्षेत्र में व्यावहारिक कौशल और ज्ञान से सशक्त बनाएं।

अपने बच्चे को सिखाएं अबेकस, जिंदगी में नहीं पड़ेगी कभी केलकुलेटर की जरूरत

नई दिल्ली। गर्मी की छुट्टियां बच्चों के लिए सिर्फ मस्ती और आराम का समय नहीं, बल्कि कुछ नया सीखने का भी एक बेहतरीन अवसर होती हैं। इस समय बच्चों का मन पढ़ाई के तनाव से मुक्त होता है, जिससे वे किसी नई स्किल को पूरे मन से सीख सकते हैं। ऐसे में अबेकस एक ऐसा विकल्प है, जो न केवल बच्चों को कैलकुलेशन में तेज बनाता है, बल्कि उनकी मानसिक क्षमता को भी बढ़ाता है।

अबेकस प्राचीन समय का एक कैलकुलेशन इक्विपमेंट है, जिसका उपयोग आज बच्चों की मेंटल कैलकुलेशन की क्षमता को बढ़ाने में किया जाता है। इसमें मोतियों के माध्यम से जोड़, घटाव, गुणा और भाग जैसे गणितीय कार्य सिखाए जाते हैं।

धीरे-धीरे बच्चा अबेकस के बिना भी तेजी से कैलकुलेशन करने लगता है, क्योंकि उसका दिमाग क्वद्धड्डस्नह्य की कल्पना कर सीधे आंसर निकालने लगता है।

- मैथ में तेजी और सटीकता
- अबेकस सीखने के बाद बच्चे बड़ी संख्याओं की कैलकुलेशन भी बिना कैलकुलेटर के कर सकते हैं।
- बढ़ेगा आत्मविश्वास - जब बच्चा दूसरों के मुकाबले तेजी से कैलकुलेशन करता है, तो उसमें आत्मविश्वास अपने आप बढ़ता है।
- याद करने की शक्ति और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में सुधार - अबेकस मस्तिष्क के दोनों हिस्सों को एक्टिव करता है, जिससे मेमोरी और एकाग्रता बेहतर होती है।
- प्रतियोगी परीक्षाओं में मददगार - बैंकिंग, स्स्ष्ट, रेलवे जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में तेजी से कैलकुलेशन का हुनर काफी मददगार साबित होता है।

छुट्टियों में बच्चों पर स्कूल होमवर्क या परीक्षाओं का दबाव नहीं होता, इसलिए वे अबेकस जैसे कोर्स को बिना तनाव के सीख सकते हैं। इसके लिए हर दिन केवल 1-2 घंटे पर्याप्त होते हैं। 2-3 महीने में बच्चा बेसिक अबेकस में एफिशियंट हो सकता है, जिससे स्कूल में रूड्डह्लद्ध भी आसान लगने लगती है।

आज के डिजिटल युग में अबेकस की कक्षाएं ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं। माता-पिता घर बैठे बच्चों को ट्रेंड करने के लिए इन ऑनलाइन विकल्पों का लाभ उठा सकते हैं।

अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा जीवन भर कैलकुलेशन में तेज, आत्मविश्वासी और मानसिक रूप से मजबूत बने, तो इस गर्मी की छुट्टियों में अबेकस सिखाना सबसे बढ़िया विकल्प है। यह न केवल एक स्किल है, बल्कि आपके बच्चे के दिमाग को तेज करने वाली एक महत्वपूर्ण नींव भी है - जिससे वह भविष्य में कभी कैलकुलेटर का मोहताज नहीं बनेगा।

स्कूल को लेकर चिंताग्रस्त बच्चे की मदद कैसे करें?

गर्मी की छुट्टियाँ खत्म होने वाली हैं, बच्चे और परिवार आगामी स्कूल वर्ष के लिए अपनी तैयारियाँ शुरू कर रहे हैं। स्कूल लौटना बच्चों के लिए एक रोमांचक समय हो सकता है, हालाँकि कई लोगों के लिए यह चिंता और अनिश्चितता की भावनाएँ भी पैदा करता है। इस पोस्ट में हम बताएंगे कि स्कूल के बारे में चिंता करने वाले बच्चे की मदद कैसे करें, और कुछ व्यावहारिक रणनीतियाँ साझा करें जिनका उपयोग माता-पिता उन बच्चों की मदद करने के लिए कर सकते हैं जो संघर्ष कर रहे हैं।गर्मी की छुट्टियाँ खत्म होने के साथ ही, बच्चे और परिवार आगामी स्कूल वर्ष के लिए अपनी तैयारियाँ शुरू कर रहे हैं। स्कूल लौटना बच्चों के लिए एक रोमांचक समय हो सकता है, हालाँकि कई लोगों के लिए यह चिंता और अनिश्चितता की भावनाएँ भी पैदा करता है।

मनोवैज्ञानिक के रूप में मेरे अनुभव में, बच्चों के लिए स्कूल शुरू करने के बारे में घबराहट महसूस करना सामान्य और बेहद आम बात है। स्कूल के बारे में चिंता के कई ट्रिगर हो सकते हैं, उदाहरण के लिए शैक्षणिक उपलब्धि और व्यापक सामाजिक और भावनात्मक अनुभवों के बारे में डर। वे अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और महत्वपूर्ण मात्रा में बदलाव का भी सामना कर सकते हैं, जैसे कि अलग-अलग सहकर्मी समूह, नए शिक्षक या अलग-अलग विषय। अपने नैदानिक

एक बाल मनोवैज्ञानिक के रूप में मैं स्कूल से संबंधित चिंता का पता लगाने के लिए एक दयालु और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की कोशिश करता हूँ। मैं जो कई रणनीतियाँ प्रदान करता हूँ उनमें माता-पिता को सहायता प्रदान करना और सलाह देना शामिल है कि अगर उन्हें कठिनाइयाँ हो रही हैं तो अपने बच्चे की सबसे अच्छी मदद कैसे करें। अपने बच्चे के विचारों और भावनाओं के बारे में सोचना स्कूल के बारे में चिंता से ग्रस्त बच्चे की मदद करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है।

स्कूल के बारे में चिंता से ग्रस्त बच्चे की मदद करने के लिए 10 रणनीतियाँ

यद्यपि हर बच्चा अलग होता है, फिर भी कुछ सामान्य रणनीतियाँ हैं जिनका उपयोग करके माता-पिता स्कूल के बारे में चिंता से ग्रस्त बच्चे की मदद कर सकते हैं-

उनकी चिंताओं पर बात करें

शुरुआत करने के लिए एक महत्वपूर्ण जगह है अपने बच्चे से स्कूल शुरू करने से जुड़ी उनकी चिंताओं के बारे में बात करना। इससे न केवल आपको और आपके बच्चे को यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि उनकी चिंताएँ क्या हैं, बल्कि इससे उन्हें अपनी भावनाओं के बारे में बात करने का मौका भी मिलेगा। सुनने का तरीका अपनाने की कोशिश करें और अनजाने में उनकी भावनाओं को नज़रअंदाज़ करने से बचें। हालाँकि वे आपको तर्कहीन लग सकते हैं, लेकिन वे आपके चिंतित बच्चे के लिए बहुत परेशान करने वाले हो सकते हैं।

रेत माफिया और ग्रामीणों के बीच मारपीट व गोलीबारी का मामला, पार्षद संजय रजक और जेसीबी चालक गिरफ्तार

० रेत निकासी के लिए लगे जेसीबी व हाइवा भी पुलिस के कब्जे में
० आरोपियों के साथ पार्षद को भी न्यायालय ने किया गया पेश

राजनांदगांव (दावा)। बसंतपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड नं 49 मोहड़ में बुधवार 11 जून को अवैध रेत उत्खनन को लेकर मामला गर्म हो गया था। मोहड़ वार्डवासियों द्वारा अवैध रेत उत्खनन का विरोध किए जाने पर रेत माफिया के लोगों व वार्डवासियों के बीच वाद- विवाद की स्थिति बन गई। इस दौरान रेत उत्खनन कर्ताओ द्वारा देशी कट्टा से गोली चला दिया गया, इससे वहां के कुछ लोगों को गोली लग गई इससे वहां हड़कंप मच गया। पुलिस को जानकारी होते ही मौके पर पहुंचकर रेत उत्खनन कार्य से जुड़े लोगों को हिरासत में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने आरोपियों को पेश करते हुए प्रेस वार्ता ली। जिसमें बताया गया है 11 जून बुधवार को रात्रि 7 से 7:30 बजे के बीच ग्राम मोहड़ नदी में अवैध तरीके से रेत निकालने के लिए रैम्प निर्माण के लिए जेसीबी चालक पहुंचा हुआ था। जिसे रोकने लिए कुछ ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंचे। जहां कार में 7-8 लोग उतरकर ग्रामीणों से मारपीट करने लगे। इस घटना में आहत जितेन्द्र साहू ने बताया कि उस कार में ग्राम मोहड़ के पार्षद संजय रजक भी शामिल था। घटना में गांव के रोशन ठाकुर, जितेंद्र साहू, ओमप्रकाश साहू को चोंट आई। मामला बढ़ते देख अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा फायरिंग कर अपनी अपनी कार से घटना स्थल से भाग गये। मौके पर जेसीबी चालक भगवती निषाद व पार्षद संजय रजक उपस्थित थे जिसे ग्रामीणों द्वारा घेरकर रखा गया था। जिसे पुलिस टीम के द्वारा सुरक्षित थाने लाया गया।

फायरिंग की जगह 3 खाली खोखे मिले

थाना प्रभारी एमन साहू ने बताया कि प्रार्थी जितेन्द्र साहू की रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर मे अपराध क्रमांक 257/2025 अपराध धारा 109(2), 191(2), 191(3), 190, 296, 115(2), 351(2) बीएनएस 25, 27 आर्मस एक्ट एवं मायनिंग एक्ट की धारा 21 कायम कर विवेचना में लिया गया है । घटना स्थल पर फायरिंग हुए तीन खाली खोखे व बुलेट के सामने वाले हिस्से को बरामद किया गया है। घटना से संबंधित जेसीबी व हाईवा गाडी क्रमांक सीजी-08/एटी 5089 को जप्त कर लिया गया है। घटना मे शामिल जेसीबी चालक भगवति निषाद पिता परदेशी निषाद उम्र 49 निवासी ग्राम झोला थाना अंडा जिला दुर्ग व संजय रजक पिता शंकरलाल रजक उम्र 48 वर्ष निवासी मोहड़ को गुरुवार 12 जून को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जा रहा है। थाना प्रभारी श्री साहू ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु अलग- अलग टीम रवाना किया गया है।

खाद से भरी वाहन प्रवेश द्वार से टकराया

ब्रेक फेल होने से हुआ हादसा, कोई हताहत नहीं

गंडई पंडरिया (दावा)। बीते गुरुवार को खाद से भरी वाहन प्रवेश द्वार से जा टकराया, जिससे प्रवेश द्वार को हल्का नुकसान हुआ है। यह घटना सुबह करीबन साढ़े 8 बजे की है, घटना की वजह वाहन का ब्रेक फेल होना बताया गया।

ज्ञात हो कि नगर के मैन चौक में पंडरिया रोड़ पर प्रवेश द्वार बना हुआ है। जानकारी अनुसार सरकारी खाद से भरी वाहन क्रमांक सीजी-04 /एचआर 2737 नगर के पंडरिया रोड़ पर स्थित कोपेभाठा के खाद गोदाम में खाली होने के लिए आ रही थी, तभी अचानक चौक के पास वाहन का ब्रेक फेल हो गया और खाद से लदी लॉरी प्रवेश द्वार में जा टीकी, हालांकि इस घटना से कोई हताहत नहीं हुई है, लेकिन प्रवेश द्वार को हल्का नुकसान हुआ है, इस तरह बड़ी घटना होते-होते टल गई।

पद्मश्री डॉ. बाफना को लायंस का सर्वोच्च अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

राजनांदगांव (दावा)। प्रख्यात बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं लायंस के पूर्व गवर्नर डॉ. पुखराज बाफना को लायंस इंटरनेशनल का सर्वोच्च वैश्विक अंतर्राष्ट्रीय सम्मान 'एम्बेसडर ऑफ गुडविल अवॉर्ड' प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है।

ओकब्रुक स्थित इंटरनेशनल ऑफिस से प्रभारी लिसा फेशी ने प्रेषित संदेश में इंटरनेशनल डायरेक्टर ला रमेश प्रजापति तथा वर्तमान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ला सुधीर जैन को बधाई देते हुए यह प्रतिष्ठापूर्ण सम्मान डॉ. पुखराज बाफना को लायंस किसी भव्य समारोह में प्रदान करने का आग्रह किया है।

उल्लेखनीय है कि विश्व के कुछ ही गिने चुने विभूतियों को उनके द्वारा प्रदत्त मानवीय सेवाओं के लिए दिया जाता है। भारतीय लायनवाद के लिए यह बहुत गौरव का विषय है।

युवक ने युवती पर किया चाकू से हमला

राजनांदगांव (दावा)। कमला कॉलेज रोड सृष्टि कॉलोनी चौक के पास रात्रि में एक लड़के ने लड़की पर किया चाकू से प्राणघातक वार घायल कर दिया है। जिसे इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया।

गोलीकांड प्रशासनिक संलिप्तता और राजनीतिक संरक्षण का नतीजा - जितेंद्र मुदलियार

राजनांदगांव (दावा)। मोहड़ में अवैध रेत उत्खनन और गोलीबारी के मामले में कांग्रेस नेता जितेंद्र मुदलियार ने प्रशासनिक, कानून व्यवस्था को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि, राजनांदगांव के इतिहास में ऐसी नौबत कभी नहीं आई। भाजपा सरकार में ग्रामीणों पर गोली चल रही है। जिला प्रशासन, खनिज विभाग और पुलिस प्रशासन की नाक के नीचे इस तरह की वारदात उनके संरक्षण और संलिप्तता को जाहिर करता है।

उन्होंने कहा कि, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का निर्वाचन क्षेत्र, गृहमंत्री विजय शर्मा का प्रभार वाला जिला और भाजपा सरकार में कथित विष्णु के सुशासन में राजनांदगांव अपराध का गढ़ बनता जा रहा है। आए दिन कोई न कोई वारदात हो रही है। उन्होंने कहा कि, इस पूरे मामले में हमलावरों पर कड़ी कार्रवाई तो होनी ही चाहिए। इसके अलावा, उन चेहरों को बेनकाब किया जाना चाहिए जिनके चलते मोहड़ में ऐसी स्थिति बनी। ग्रामीण कई नामों का खुलासा कर रहे हैं, पुलिस इस पर कोई एक्शन नहीं ले रही है। अब तक एफआईआर में अवैध तरीके से उत्खनन में शामिल जेसीबी और हाइवा के मालिक के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। जो कि पुलिसिया कार्रवाई पर सवाल खड़े करता है।

मुदलियार ने कहा कि, स्पष्ट संकेत हैं कि इस पूरे प्रकरण में प्रशासनिक, राजनीतिक संरक्षण दिया गया है। रेत माफियाओं ने इसके ही बूते इतनी बड़ी घटना को अंजाम दे दिया। दूसरी ओर जिले भर में अवैध उत्खनन के मामले जारी है। लगातार इसकी शिकायतें सामने आ रही है और कई लोगों के नाम भी सामने आ रहे हैं। लेकिन खनिज और जिला प्रशासन इसे लेकर पूरी तरह उदासीन हैं। इसका ही नतीजा है कि, मोहड़ में ग्रामीणों पर गोली तक चल गई। उन्होंने कहा कि, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, गृहमंत्री विजय शर्मा अब तक इस मामले में चुप हैं। उनकी चुप्पी से यह मामला दबने वाला नहीं है। ये मामला अब सिर्फ गोली चलाने वाले रेत माफियाओं तक भी नहीं सिमटने वाला है। यह पूरा विषय काफी संवेदनशील है और हम पीड़ित परिवारों और जनता के साथ हैं। जब तक इस पूरे मामले में जिम्मेदारों पर कार्रवाई न हो, पर्दे के पीछे के चेहरे न सामने आएं हम इसे लेकर हर मोर्चे पर लड़ाई लड़ते रहेंगे।

कन्हारपुरी में पेड़ों की अवैध कटाई, ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 34 कन्हारपुरी में हरे-भरे पेड़ों की अवैध कटाई मामले में कुछ ग्रामीणों ने एसडीएम से शिकायत की है। शिकायत में उन्होंने बताया है कि गांव में कुछ लोगों ने 100 से ज्यादा पेड़ों की अवैध कटाई कन्हारपुरी से सुंदरा और मुक्तिधाम जाने वाले मार्ग में की है। उन्होंने पेड़ कटाई के दोषी व्यक्तियों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही करने की मांग की है।

ग्रामीणों ने आगे बताया कि कन्हारपुरी वार्ड नं 34 राजनादगांव में कुछ लोगों द्वारा टोपराम साहू एवं माधो बजरंग पिता रामलाल बजरंग और इनके साथियों द्वारा एक समिति बनाकर कन्हारपुरी से सुंदरा एवं मुक्तिधाम जाने वाले मार्ग के किनारे की लगभग 100 पेड़ जो शासकीय भूमि में थी। उसे अवैध तरीके से कटाई कर बेचा जा रहा है और इनके द्वारा पूर्व में भी लाखों रुपये में पेड़ों को बेचा गया है। जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है और भारत सरकार द्वारा पर्यावरण एवं हरे-भरे वृक्ष को बचाने का जो कानून बना है। उसका उल्लंघन खुलेआम किया जा रहा है। इस मामले में समिति के नाम पर खाता खुलवाया गया है। उसकी जांच कर जल्द से जल्द कार्यवाही करें और अवैध पेड़ों की कटाई करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग की गई है।

चाचा ने लिया भतीजे के हत्यारे से बदला

० वनांचल में हुए दोहरे हत्याकांड मामले का हुआ खुलासा
० 10 वर्ष पूर्व पुरानी रंजीश को लेकर बनाया था हत्या का प्लान
० मुख्य आरोपी खिलावन वर्मा द्वारा हत्या के लिए दी गई थी एक लाख की सुपारी० जी.ई.रोड जिला न्यायालय के पास लगे ठेला खोमचा व ममता नगर मार्ग से अतिक्रमण हटाने दी समझाईस

राजनांदगांव/डोंगरगढ़ (दावा)। थाना बोरतलाव, बागनदी एवं सायबर सेल की संयुक्त कार्यवाही से वनांचल क्षेत्र में हुए दोहरे हत्याकांड मामले का खुलासा हुआ। आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से मृतकों को शराब पीलाकर घटना को अंजाम दिया था। 10 वर्ष पूर्व पुरानी रंजीश को लेकर हत्या करने का प्लान आरोपी ने बनाया था। मुख्य आरोपी खिलावन वर्मा द्वारा हत्या के एक लाख रूपये की सुपारी दी गई थी। आरोपियों द्वारा मृतकों के शव को छिपाने के लिए शव को अलग-अलग जगहों पर फेंका गया था। पुलिस से बचने के लिए अरोपियों ने घटना के दौरान पहने कपड़ों को जलाया गया व घटना में प्रयुक्त लोहे का राड़ को तालाब में फेंका गया। मृतकों के मोबाईल सेट को घटना करने के उपरांत जंगल में फेंक दिया गया। घटना में प्रयुक्त महेन्द्र केयूवी वाहन सीजी-04/एनबी 2703 को पुलिस द्वारा जप्त किया गया।

आरोपी अजहर खान उर्फ विक्की पिता स्व. बब्बर खान, उम्र 34 वर्ष, निवासी रजानगर वार्ड नं. 20, आरोपी के विरूद्ध थाना डोंगरगढ़ में पूर्व में आर्म्स एक्ट एवं मारपीट का मामला दर्ज है। वहीं दूसरा आरोपी इकबाल खान पिता लतीफ खान उम्र 33 वर्ष निवासी रजानगर टेकरीपारा वार्ड नं. 20 के विरूद्ध थाना डोंगरगढ़ में पूर्व में मारपीट का मामला दर्ज है। मुख्य आरोपी खिलावन वर्मा पिता प्रीतम वर्मा उम्र 25 वर्ष ग्राम बिच्छीटोला का निवासी है। मृतकों में सूरज कुमार सेन पिता कृतलाल सेन उम्र 23 वर्ष निवासी सहसपुर दल्ली वार्ड नं. 2 थाना ठेलकाडीह, मिंटू वर्मा उर्फ आलोक वर्मा पिता रिखीराम वर्मा उम्र 31 वर्ष निवासी सहसपुर दल्ली शामिल है।

आरोपियों की खोजबीन में लगी थी पुलिस

दिनांक 6 जून को थाना बोरतलाव क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बागरेकसा जंगल रास्ते में एक अज्ञात शव मिलने की सूचना पर थाना बोरतलाव पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम कर जांच कार्यवाही प्रारंभ की गई थी। मर्ग जांच के दौरान मृतक की पहचान सूरज सेन पिता कृतलाल सेन उम्र 23 वर्ष निवासी सहसपुर दल्ली के रूप में हुई थी एवं पीएम रिपोर्ट के आधार पर मृतक की मृत्यु किसी भारी वस्तु/पत्थर से वारकर हत्या करने के फलस्वरूप होने की जानकारी मिली थी। मर्ग जांच से थाना बोरतलाव में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 27/25, धारा 103 (1) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही किया जा रहा था।

पुलिस को विवेचना के दौरान ही 8 जून को थाना बागनदी क्षेत्रांतर्गत ग्राम सीतागोटा-बोईरटोला मार्ग के पुल के नीचे पुनः एक 3-4 दिन पुरानी सड़ी-गली अवस्था में अज्ञात शव मिलने की सूचना पर थाना बागनदी पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जांच कार्यवाही प्रारंभ की गई थी। मर्ग जांच के दौरान मृतक की पहचान आलोक उर्फ मिन्टू वर्मा पिता रिखीराम वर्मा उम्र 31 वर्ष निवासी सहसपुर दल्ली के रूप में हुई थी।

चाचा ने भतीजे के हत्यारे से लिया बदला

उक्त दोनों प्रकरणों की विवेचना के दौरान दोनों मृतकों का आपस में संबंध होने एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्य आनुसार उक्त दोनों प्रकरण आपस में संबंधित व गंभीर किस्म के होने से टीम गठित कर आरोपियों की पता तालाश की जा रही थी। पता तालाश के दौरान उक्त टीम द्वारा मृतकों की अंतिम गतिविधियों व परिस्थितिजन्य साक्ष्य एवं तकनीकी आधार पर आरोपियों की पहचान कर आरोपी खिलावन वर्मा निवासी बिच्छीटोला डोंगरगढ़, अजहर खान उर्फ विक्की व इकबाल खान दोनों निवासी डोंगरगढ़ को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया। आरोपी खिलावन वर्मा ने बताया कि मृतक आलोक वर्मा उर्फ मिंटू के द्वारा पूर्व में वर्ष 2016 में उसके 9 वर्षीय भतीजे जितेन्द्र वर्मा निवासी बिच्छीटोला की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। हत्या के प्रकरण में मृतक आलोक उर्फ मिन्टू जेल में रहकर 2 वर्ष पहले छुटकर आया था, जो कि अपने पैतृक जमीन बेचकर ग्राम सहसपुर दल्ली में रह रहा था। जेल से छुटने के बाद डोंगरगढ़ तरफ घुमने जाकर आरोपी खिलावन वर्मा को देखकर चिढ़ाने की हरकत करता था। आरोपी खिलावन वर्मा का खून खौलता था कि मेरे भतीजे की हत्या कर जेल से छुटकर आराम से घुम रहा है। इसी रंजीश के चलते आरोपी खिलावन वर्मा के मन में बदला लेने की भावना उत्पन होने से एक माह पूर्व आपने अन्य साथी अजहर खान उर्फ विक्की निवासी डोंगरगढ़ हाल पनियाजोब एवं इकबाल खान निवासी डोंगरगढ़ के साथ मिलकर आलोक उर्फ मिन्टू वर्मा की हत्या की योजना बनाया। आरोपी खिलावन के द्वारा हत्या करने हेतु आरोपी अजहर एवं इकबाल को एक लाख रूपये देने की बात कही थी और बीस हजार रूपये नगद एडवांस दिया था।

योजनाबद्ध तरीके से दिनांक 5 जून को आरोपी खिलावन अपनी कार महिन्द्रा केयूवी कार से अपने साथी अजहर, इकबाल को बैठाकर सहसपुर दल्ली ले गया। योजना के अनुसार मृतक आलोक उर्फ मिन्टू को किसी बहाने से अपने पास बुलाया और साथ ही उसका साथी सूरज सेन भी आलोक के साथ आरोपियों के पास पहुंच गया। आरोपियों के द्वारा दोनों को कार में बैठाकर खैरागढ़ तरफ शराब भट्ठी जाकर शराब लिये और सभी कार में ही बैठकर तीनों आरोपी अजहर, खिलावन, इकबाल एक राय होकर राड़ से आलोक वर्मा एवं सूरज सेन की हत्या कर मृतक आलोक एवं घायल सूरज सेन को आरोपियों के द्वारा कार में भरकर जंगल में फेंक दिया गया। उसके बाद सीतागोटा-बोईरटोला के बीच रास्ते में पुलिस के नीचे में आलोक उर्फ मिन्टू वर्मा के शव को पुनः पत्थर से वार कर छिपा दिया गया। उसके बाद रात्रि में ही घायल सूरज सेन को लेकर बागरेकसा होते हुए चटरा जंगल मेन रोड़ में सूरज सेन को कार से नीचे उतारकर उसके सिर को लोहे के राड़ हाथ में पहने चुडे से लगातार मारकर उसको कार से सिर के बल पक्की रोड़ में पटक दिये और चेहरा में पत्थर पटक कर हत्या कर दिए गए। घटना के बाद आरोपियों द्वारा पहने हुए अपने खून लगे हुए कपड़े को भेजराटोला तालाब के पास जला दिए गए। घटना में प्रयुक्त आरोपी खिलावन की कार में लगे सीट कवर को भी आरोपियों के द्वारा जला दिया गया। घटना के बाद 6 जून की सुबह करीब पांच बजे आरोपी खिलावन के द्वारा अपने साथी आरोपी अजहर और विक्की को कुछ पैसे देकर ट्रेन में बैठाकर अजमेर राजस्थान भेज दिया था। जो कि अजमेर राजस्थान से वापस डोंगरगढ़ आकर लूकछप रहा था। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपियों के द्वारा अपना जुर्म स्वीकार करने पर 12 जून को गिरफ्तार कर ज्यूडिसियल रिमांड पर पेश किया जाएगा।

जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 को दिग्विजय स्टेडियम में

राजनांदगांव (दावा)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग संगम एवं हरित योग थीम पर जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून सुबह 7 से 8 बजे तक दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में किया जाएगा।

जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भारत सरकार द्वारा जारी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय को नोडल अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजनांदगांव खेमलाल वर्मा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। कलेक्टर ने नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी के सहयोग के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को कार्य दायित्व सौंपा है।

आवश्यकता है
प्रेस में रात्रिकालीन चौकीदार की आवश्यकता है।
अनुभवी व्यक्ति ही संपर्क करें।
-: संपर्क :-
दैनिक दावा कार्यालय
बल्देव बाग, राजनांदगांव
मो.- 93004-14726

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 साल का सफर शानदार रहा, भारत तीसरी शक्ति बनने के राह पर - विष्णु देव साय

० संकल्प से सिद्धि अभियान का किया शुभारंभ, 21 को होगा समापन्न
० 18 लाख आवासहीनों को प्रधानमंत्री आवास योजना का मिला लाभ

रायपुर (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सर्किट हाउस के कन्वेशन हाल में आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश में चारों दिशाओं में बेहतरीन कार्य कर भारत का विश्व में सर्वोच्च स्थान बनाया है। संकल्प सिद्धि अभियान का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा यह अभियान 21 जून को खत्म होगा इस अभियान के दौरान पार्टी के कार्यकर्ता प्रदेश भर में 11 वर्ष में हुई उपलब्धि की जानकारी आम लोगों को देगे।

सीएम साय ने पत्रकार वार्ता में बताया कि 11 वर्षों के कार्यकाल में जम्मू कशमीर से धारा 370 हटाना, महिला आरक्षण लागू करना, तीन तलाक खत्म करना, धान खरीदी का समर्थन मूल्य 31 सौ क्विंटल करना, दो साल का 13 लाख किसानों को बकाया बोनस देना, महतारी वंदन योजना लागू करना, 18 लाख आवासहीन हितग्राहिओं को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर उपलब्ध कराना, प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पहाड़ी कोरबा एवं आदिवासी जनजातियों के नागरिकों को आवास उपलब्ध कराना, रेल्वे स्टेशन काया कल्प योजना के तहत प्रति स्टेशन 350 करोड़ की राशि उपलब्ध कराना, आयुषमान योजना के तहत 25 लाख से भी अधिक हितग्राहियों को चिकित्सा सुविधा प्रदान कराना सहित ऐसी अनेक योजनाओं को प्रदेश में प्रधानमंत्री के सहयोग के चलते क्रियान्वित किया जा रहा है। आने वाले वर्षों में औद्योगिक निवेश के लिए लोगों को नियंत्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जापान और ब्राजील के बाद भारत अब तीसरी अर्थशक्ति बनने की राह पर है। पत्रकार वार्ता में विधायक सुनील सोनी, पुरन्दर मिश्रा, मोती लाल साहू, खाद्य आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, मीडिया प्रवक्ता अमित चिमनानी, अनुराग अग्रवाल एवं अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com